देहरादून (गैरसैंण),
सोमवार : 27 अप्रैल 2026
वर्ष: 17
अंक: 8 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

एएपी सरकार ने भज्जी से सिक्योरिटी छीनी

- पंजाब पुलिस हटाई, केंद्र ने घर पर सीआरपीएफ लगाई
- सांसद साहनी बोले-केजरीवाल ने मुझसे इस्तीफा मांगा

जालंधर (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने को लेकर मचा घमासान थम नहीं रहा है। पंजाब की एएपी सरकार ने पूर्व क्रिकेटर व पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी की जेड कैटेगरी सिक्योरिटी हटा ली है। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। इसके तुरंत बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी। उनके घर के बाहर ये जवान तैनात कर दिए गए हैं। हालांकि

भज्जी ने अभी एएपी छोड़ने या बीजेपी जॉइन करने को लेकर कुछ नहीं कहा लेकिन राघव चड्ढा ने उनके भी साथ में होने का दावा किया था। भज्जी से पहले एएपी सरकार ने राघव चड्ढा की भी जेड+ सिक्योरिटी वापस ली थी। इसके बाद उन्हें केंद्र की तरफ से यही सिक्योरिटी मिल गई। इसी बीच एएपी छोड़ने वाले दूसरे राज्यसभा सांसद विक्रमजीत साहनी ने दावा किया कि एएपी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस्तीफा मांगा था। मेरा मन भी बन गया था लेकिन फिर सलाहकारों ने रोक दिया। साहनी ने कहा कि पंजाब इस वक्त आईसीयू में है। उसे बचाने के लिए स्ट्रॉन्ग सेंट्रल सपोर्ट या केंद्र सरकार के सहयोग की जरूरत है। वहीं एएपी न छोड़ने वाले सांसद संत सीचेवाल ने कहा कि राघव चड्ढा ने आजाद ग्रुप बनाने की बात कहकर मुझे 16, 17 और 18 अप्रैल को चाय पर बुलाया था लेकिन मैं वहां नहीं गया। मैंने उन्हें किसी तरह का आजाद ग्रुप बनाने या उसमें शामिल होने से मना कर दिया। जालंधर में भज्जी-मित्तल के खिलाफ एएपी का प्रदर्शन एएपी छोड़ भाजपा में शामिल हुए अशोक मित्तल के खिलाफ अमृतसर में प्रदर्शन हुए।

विंड एनर्जी में बहुत आगे बढ़ रहा भारत

- पीएम मोदी बोले-दुनिया की चौथी बड़ी ताकत बना
- मन की बात में शांति के लिए दिया बुद्ध का संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 133वें एपिसोड में देश की वैज्ञानिक उपलब्धियों से लेकर वैश्विक मौजूदा हालात पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने दुनिया से भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपनाने की अपील की। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत विंड एनर्जी में दुनिया की चौथी बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा चुनावों की भागदौड़ के बीच, आपके संदेशों और पत्रों के जरिए हम नागरिकों की उपलब्धियों की खुशियां साझा करते रहे हैं। इस बार

आइए 'मन की बात' की शुरुआत देश की ऐसी ही एक बहुत बड़ी उपलब्धि से करें। कुछ दिन पहले भारत के परमाणु वैज्ञानिकों ने देश को एक और बड़ी उपलब्धि से गौरवान्वित किया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित फास्ट ब्रीडर रिएक्टर ने 'क्रिटिकलिटी' हासिल कर ली है, जिसका मतलब है कि अब यह रिएक्टर संचालन के चरण में प्रवेश कर चुका है।

पवन ऊर्जा में भारत अब बड़ी ताकत- पीएम मोदी ने मन की बात में कहा कि आज वह एक ऐसी शक्ति की बात करना चाहते हैं जो दिखाई नहीं देती, लेकिन उसके बिना जीवन एक पल भी संभव नहीं है- यह शक्ति है पवन ऊर्जा। उन्होंने कहा कि यही ताकत भारत को आगे बढ़ा रही है और आज पवन ऊर्जा देश के विकास की नई कहानी लिख रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत ने हाल ही में इस क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की है और देश की पवन ऊर्जा क्षमता 56 गीगावाट से अधिक हो गई है, जिससे भारत दुनिया के अग्रणी चार देशों में शामिल हो गया है।

वैश्विक तनाव पर दिया बुद्ध का संदेश- पीएम मोदी ने कहा कि मई का महीना एक शुभ अवसर के साथ शुरू हो रहा है और कुछ ही दिनों में हम बुद्ध पूर्णिमा मनाएंगे।

वॉशिंगटन में फायरिंग

राष्ट्रपति ट्रम्प को बचाया

- सुरक्षाबलों ने घेरा बनाकर राष्ट्रपति को निकाला
- गेस्ट टेबल के नीचे छिपे, हमलावर पकड़ाया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। शनिवार शाम के इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई बड़े अफसर मौजूद थे। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हमलावर ने होटल के बॉलरूम के बाहर फायरिंग की। ट्रम्प और गेस्ट बॉलरूम के अंदर थे। ट्रम्प ने बताया कि हमलावर को पकड़ लिया गया है। पहले खबर आई थी

कि हमलावर को मार गिराया गया। हमले के करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रम्प ने मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा- अमेरिका के संविधान पर हमला हुआ। सीक्रेट सर्विस ने मेरी जान बचाई। सुरक्षाकर्मियों ने बहादुरी से काम किया। जिस अफसर को गोली लगी, वह सुरक्षित है। उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी थी। हमलावर के पास पावरफुल गन थी। हमलावर की पहचान हो गई है।

जहां कार्यक्रम, उसी होटल में ठहरा था हमलावर

पुलिस विभाग के अंतरिम चीफ जेफरी कैरोल के मुताबिक, हमलावर उसी होटल में मेहमान था, जहां व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट का डिनर कार्यक्रम हो रहा था। जिस कमरे में वह ठहरा था, पुलिस उसकी भी जांच कर रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमलावर के पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू थे। वॉशिंगटन डीसी की मेयर ने बताया कि हमलावर का अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अमेरिकी अटॉर्नी ने बताया कि हमलावर पर दो आरोप लगे हैं। पहला, हिंसक अपराध के दौरान हथियार इस्तेमाल करना। दूसरा, खतरनाक हथियार से फेडरल अधिकारियों पर हमला करना। हमलावर को सोमवार को फेडरल अदालत में पेश किया जाएगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, वॉशिंगटन में आज की शाम काफी हलचल भरी रही।

सऊदी अरब के बाद अबू धाबी पहुंचे एनएसए

- भारत के चाणक्य अजीत डोभाल का खाड़ी मिशन जारी
- राष्ट्रपति जाएद अल नाह्यान से मुलाकात, तालमेल पर चर्चा

अबू धाबी (एजेंसी)। मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अबू धाबी पहुंचे हैं। शनिवार 25 अप्रैल को उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। बैठक का मुख्य जोर सुरक्षा चिंताओं, आर्थिक हितों के साथ ही इजरायल-ईरान युद्ध के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आपसी तालमेल पर था।

खाड़ी में भारत तेज कर रहा पहुंच

एनएसए अजीत डोभाल का यह दौरा भारत की खाड़ी देशों तक पहुंच बनाने की कोशिश का हिस्सा है, जिसे अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच तेज कर दिया गया है। इसके पहले 20 अप्रैल को डोभाल ने सऊदी अरब की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की गई इस यात्रा में सऊदी अरब के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें हुई थीं। इसमें ऊर्जा और विदेश मामलों के मंत्रियों के साथ ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकातें शामिल थीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर खाड़ी देशों में हमारा आउटरीच जारी है।

आसमान से बरस रही आग

'47 पार' पारा

- उत्तर भारत में बुरा हाल, हीटवेव करेगी परेशान
- यूपी, दिल्ली, एमपी और राजस्थान में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और एमपी में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ही तापमान सामान्य से पांच डिग्री से अधिक ऊपर पहुंच गया है। कई इलाकों में दिन के समय सड़कें और बाजार सुनसान नजर आ रहे हैं। सड़कों पर कम लोग नजर आ रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्र भी गर्मी की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में शनिवार को देश का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। यहां अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 6.2 डिग्री अधिक है। यह न

केवल यूपी बल्कि पूरे देश में इस मौसम का सबसे ऊंचा पारा है। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में तो वर्ष 2009 के बाद पहली बार अप्रैल में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। इस बीच मौसम विभाग ने जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में और लू चलने की चेतावनी जारी की है। अगले दो-दिन तक गर्मी झुलसाएगी।

उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहेंगी

आईएमडी ने यह भी संकेत दिया है कि जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में लू चलने के आसार हैं। साथ ही कहा कि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहेंगी और तटीय व पूर्वी क्षेत्रों में मौसम गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 27 अप्रैल तक कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा, इसके बाद धीरे-धीरे गिरावट आएगी। प्रेट्र के अनुसार, आईएमडी ने लोगों से सीधी धूप में लंबे समय तक रहने से बचने खासकर दोपहर के दौरान दी है।

जेडीयू नए चेहरों को देगी मौका, मगध-तिरहुत से सवर्ण बनेगा मंत्री

- बिहार सरकार के नए मंत्रिमंडल में दिखेगा क्षेत्रीय-सामाजिक समीकरण

पटना (एजेंसी)। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक गलियारे में यह चर्चा तेज है कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली सरकार में क्षेत्रीय व सामाजिक समीकरण का नया स्वरूप दिख सकता है। अगड़ी, पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति तीनों के संदर्भ में यह बात कही जा रही है। वहीं, जदयू अपने कुछ पूर्व मंत्रियों के नाम पर यथास्थिति मोड में हैं। भाजपा कुछ पुराने चेहरे पर दृढ़ तो है ही, लेकिन क्षेत्रीय व सामाजिक समीकरण को ध्यान में रख कई नए नाम को मंत्रिमंडल में जगह मिलने की उम्मीद है।

क्षेत्रीय समीकरण को साधेगी बीजेपी - भाजपा में क्षेत्रीय समीकरण के मामले को सामाजिक समीकरण से जोड़ा जा रहा। मगध क्षेत्र से भाजपा ने अति पिछड़ी जाति को महत्वपूर्ण पद पर जगह दिया हुआ है। इसलिए यह कहा जा रहा कि मगध क्षेत्र से किसी सवर्ण जाति के विधायक को मंत्री बनाया जा सकता है। जिस जिले में भाजपा ने 2025 के विधानसभा चुनाव में बेहतर उपलब्धि हासिल की है, वहां से किसी सवर्ण विधायक को मंत्री पद की जिम्मेदारी मिल सकती है। इसी तरह तिरहुत प्रमंडल के बारे में भी बात की जा रही। तिरहुत इलाके से अति पिछड़ा वर्ग को महत्व मिलेगा।

बंगाल में लोकतंत्र नहीं

- कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या पर जमकर भड़के राहुल गांधी, कहा

टीएमसी का गुंडा राज चल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई है। कांग्रेस ने इसका आरोप टीएमसी से जुड़े बदमाशों पर लगाया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे को लेकर टीएमसी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या टीएमसी के गुंडो ने की है। पश्चिम बंगाल कांग्रेस ने भी इसको लेकर टीएमसी पर निशाना साधा है और हत्यारों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, कांग्रेस के कार्यकर्ता देबदीप चटर्जी की चुनाव बाद टीएमसी से जुड़े गुंडों द्वारा की गई हत्या बेहद निंदनीय है। शोकाकुल परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। पश्चिम बंगाल में आज लोकतंत्र नहीं, टीएमसी का गुंडा राज चल रहा है। वोट के बाद विरोधी आवाजों को डराना, मारना, मिटाना- यही

टीएमसी का चरित्र बन चुका है। कांग्रेस की राजनीति कभी हिंसा पर नहीं टिकी, और न कभी टिकेगी। हमने भी अपने कार्यकर्ता खोए हैं, फिर भी हमने हमेशा अहिंसा और संविधान का रास्ता चुना है। यही हमारी विरासत है, यही हमारा संकल्प। राहुल गांधी ने आगे कहा, मांग स्पष्ट है सभी दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी हो, कठोरतम सजा मिले, और देबदीप के परिवार को पूर्ण सुरक्षा व मुआवजा सुनिश्चित किया जाए। भारत की अहिंसक परंपरा को कलंकित करने वाली इस राजनीति के सामने हम झुकेंगे नहीं।

ममता सरकार पर कांग्रेस ने भी साधा निशाना

वहीं बंगाल कांग्रेस ने भी टीएमसी पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा, पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी आसनसोल में कांग्रेस सपोर्टर देबदीप चटर्जी की बेरहमी से हत्या की कड़ी निंदा करती है। यह घटना आसनसोल नॉर्थ से कांग्रेस उम्मीदवार श्री प्रसेनजीत पुइतांडी के साथ मिलकर काम करने के लिए जानी जाती थी। यह हिंसा चुनाव के बाद हुई एक चौंकाने वाली घटना थी। पीड़ित पर सत्ताधारी ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस से जुड़े बदमाशों ने हमला किया और उसे पीटा, जिसके कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। यह दुखद घटना राज्य में कानून-व्यवस्था की पूरी तरह से खराब हालत को दिखाती है और पश्चिम बंगाल में विपक्षी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। यह बात कि चुनाव के तुरंत बाद ऐसी हिंसा हुई है, राजनीतिक धमकी और बदले की भावना के एक बहुत ही परेशान करने वाले पैटर्न को दिखाती है। कांग्रेस ने मांग की कि इस घिनौने जुर्म के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, एक सही निष्पक्ष और समय पर जांच हो और पीड़ित परिवार को पूरा मुआवजा और सुरक्षा मिले।

दक्षिण कोरियाई तकनीक से लैस होंगी अपनी तोपें

- एलएसी पर बढ़ेगी ताकत, चीन की नींद उड़ाएगी भारत-दक्षिण कोरिया की ये दोस्ती!

नई दिल्ली/सियोल (एजेंसी)। भारत और दक्षिण कोरिया के बीच बनने वाले सैन्य संबंध पर चीन की गहरी नजर है। खासकर भारत की दक्षिण कोरिया के साथ तोपखाने और एंटी-एयरक्राफ्ट गनों के क्षेत्र में रक्षा उद्योग सहयोग बढ़ाने की कोशिश को चीन अपने लिए संवेदनशील मान रहा है। माना जा रहा है कि भारत इन तोपों को हिमालय में उन क्षेत्रों में तैनाती करेगा जहां चीन से विवाद रहता है।

भारत की तीन-दिवसीय यात्रा के दौरान सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद, दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली जे-म्युंग ने घोषणा की कि सियोल और दिल्ली अपने आर्थिक सहयोग को बेहतर बनाने पर सहमत हो गए हैं। इसके तहत जहाज निर्माण, रक्षा और आर्टिफिशियल

इंटेलीजेंस जैसे अहम क्षेत्रों पर खास ध्यान दिया जाएगा।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया भारत की आत्मनिर्भर भारत नीति का पूरी तरह से समर्थन करता है और उसे उम्मीद है कि वह भारतीय रक्षा उपकरणों के उत्पादन और संचालन में सक्रिय रूप से मदद करेगा साथ ही टेक्नोलॉजी के विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी चर्चा करेगा। उन्होंने दोनों देशों के रक्षा सहयोग के उदाहरण के तौर पर के-9 थंडर का जिक्र किया जो दक्षिण कोरिया का एक होवित्जर है। दिल्ली के पास के 9 वज्र-एम 155 एमएम सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर की लगभग 100 यूनिट्स हैं।

भारत-दक्षिण कोरिया संबंध पर चीन की टेढ़ी नजर

हंकुक यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर कांग जून-यंग ने कोरिया टाइम्स से कहा कि इस बात की बहुत ज्यादा संभावना है कि बीजिंग, दक्षिण कोरिया और भारत के बीच रक्षा और सप्लाई-चेन सहयोग को बहुत ही आलोचनात्मक नजर से देखेगा। उन्होंने कहा खास तौर पर चूंकि भारत का चीन के साथ सीमा विवाद चल रहा है इसलिए बीजिंग इस बात को लेकर स्वाभाविक रूप से संवेदनशील है कि दक्षिण कोरिया के हथियार सिस्टम से भारत की सैन्य शक्ति में बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने आगे कहा चूंकि सिर्फ निर्यात से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने से भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की क्षमताओं में जबरदस्त बढ़ोतरी की संभावना है इसलिए चीन इसे एक ऐसी रणनीतिक चाल के तौर पर देखेगा जो उसके लिए खतरा है।

भारत-दक्षिण कोरिया के-9 वज्र समझौते पर ड्रैगन की है निगाह

आपको बता दें कि के 9 वज्र-एम भारत में ही बनाया जाता है और यह दक्षिण कोरिया के के 9 थंडर डिजाइन पर आधारित है। इसका सिस्टम हान्वा एयरोस्पेस से टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के जरिए तैयार किया गया था और इसे भारतीय सेना के रेगिस्तानी और ऊंचे पहाड़ी इलाकों के हिसाब से ऑप्टिमाइज किया गया है। भारतीय सेना ने इन होवित्जरों को देश के उत्तरी लद्दाख इलाके में तैनात किया है जिसका मकसद चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के सीमा तनाव के बीच अपनी लंबी दूरी की मारक क्षमता को बढ़ाना है। दिल्ली के विदेश मंत्रालय के पेरियासामी कुमारन ने सोमवार को ली की यात्रा के दौरान कहा कि भारत दक्षिण कोरिया के साथ अपने रक्षा उद्योग सहयोग को तीसरे चरण तक विस्तार देना चाहता है। सिंगापुर के एस. राजारत्नम स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज में साउथ एशिया प्रोग्राम के सीनियर एनालिस्ट निशांत राजीव ने कहा कि होवित्जर और एंटी-एयरक्राफ्ट गन भारत की सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हैं।

"मन की बात" कार्यक्रम से मिलती है आगे बढ़ने की प्रेरणा : मुख्यमंत्री

– मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के 133वाँ संस्करण सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मोथरोवाला, देहरादून में बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय लोगों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 133वें संस्करण को सुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री समाज के विभिन्न वर्गों के प्रेरक कार्यों, नवाचारों, स्टार्टअप, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत, पर्यावरण संरक्षण एवं लोक संस्कृति से जुड़े विषयों को प्रभावी रूप से सामने रखते हैं, जिससे लोगों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम ने आमजन के प्रयासों को एक मंच प्रदान किया है। इससे देश के कोने–कोने में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को पहचान मिल रही है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वातावरण बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम अनवरत रूप से निरंतर जारी है, जो करोड़ों देशवासियों के लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेहनत, परिश्रम और काम करने वाले लोगों को अवश्य फल मिलता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत का मान, सम्मान, स्वाभिमान प्रत्येक क्षेत्र में बढ़ रहा है। भारत बड़ी आर्थिक शक्ति बनकर उभरा है। हमारा देश विज्ञान, रक्षा, ए.आई के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। आज हम रक्षा उपकरणों, हथियारों का अन्य देशों को निर्यात भी करते हैं, जो आत्मनिर्भर भारत की तस्वीर दर्शाता है। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। देश के सीमांत क्षेत्रों में भी अब रोड, रेल और आधुनिक सुविधाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा उत्तराखंड, विकसित भारत के संकल्प में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री का उत्तराखंड से विशेष लगाव है। बाबा केदार की भूमि से प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बताया था, जिस संकल्प पर राज्य सरकार निरंतर आगे कार्य कर रही है और अब इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार का संकल्प है कि हम उत्तराखंड की संस्कृति, आस्था और साधना को हमेशा संरक्षित रखें। राज्य सरकार, देवभूमि के दैवत्व को हमेशा अमर रखने का काम करेगी। राज्य सरकार ने सख्त दंगारोधी कानून, धर्मांतरण कानून, नकल विरोधी कानून, जैसे कई कानून लागू किए हैं जो अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन रहा है। उन्होंने कहा जहां डबल इंजन की सरकार है वहां विकास दुगनी रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष ने की सीएम धामी से भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने भेंट की। उन्होंने आगामी यात्रा को लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत भी कराया। इस दौरान अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने मुख्यमंत्री को 20 मई 2026 को हेमकुंट साहिब यात्रा 2026 के पहले जत्थे के विदाई समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन–प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। यात्रा व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया कि हेमकुंड साहिब यात्रा को सफल, सुगम एवं व्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। गुरुद्वारा हेमकुंट साहिब प्रबंधन ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि 20 मई 2026 को हेमकुंट साहिब यात्रा 2026 के पहले जत्थे का विदाई समारोह आयोजित होगा।

संक्षिप्त समाचार

रवांई को जिला बनाने की मांग तेज, मोरी में संघर्ष समिति की बैठक

उत्तरकाशी। रवांई क्षेत्र को जिला बनाने की मांग तेज हो गई है। इस मांग को लेकर रवांई जिला बनाओ संघर्ष समिति की मोरी में बैठक हुई। इसमें जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राज्य आंदोलनकारियों ने भाग लिया। बैठक में मोरी क्षेत्र के चिह्नित राज्य आंदोलनकारियों ने समिति को पूर्ण समर्थन दिया। आंदोलनकारियों ने कहा कि रवांई क्षेत्र लंबे समय से उपेक्षा का शिकार है। प्रशासनिक सुविधा के अभाव में जनता को कई दिक्कतें होती हैं। ऐसे में रवांई को जिला बनाना समय की मांग है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष बलदेव असवाल ने बताया कि रवांई भौगोलिक रूप से विस्तृत और दुर्गम है। लोगों को छोटे कार्यों के लिए भी दूर जाना पड़ता है। समिति शांतिपूर्ण आंदोलन कर रही है और जिला घोषित होने तक संघर्ष जारी रहेगा। समिति के सक्रिय सदस्य गोपाल चौहान ने कहा कि क्षेत्र की जनता जागरूक हो चुकी है। वे अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज उठा रही है। उन्होंने आने वाले समय में आंदोलन को और तेज करने की बात कही। यमुनाघाटी राज्य आंदोलनकारियों के अध्यक्ष पृथ्वीराज कपूर ने भी संघर्ष समिति का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सभी आंदोलनकारी इस मांग में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे।

ठगों ने युवक के खाते से ट्रांसफर किए 1.13 लाख

देहरादून। बल्लूपुर रोड स्थित आकाशदीप कॉलोनी के रहने वाले रोहित गर्ग साइबर ठगी का शिकार हो गए। बीते छह अप्रैल को ठगों ने रोहित के आईएमए, चकराता रोड स्थित पंजाब नेशनल बैंक के खाते से 92,000 रुपये और घंटाघर–गांधी रोड स्थित इंडियन बैंक के खाते से 21,000 रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़ित को इसका पता लगा तो उन्होंने साइबर अपराध थाने में जीरो एफआईआर दर्ज कराई। जिसे कैंट थाने ट्रांसफर किया गया। इंस्पेक्टर कैंट एसएस बिष्ट ने बताया कि मामले में जांच की जा रही है।

लक्ष्मण सिद्ध मंदिर में भंडारे के साथ मनाया गया स्थापना दिवस

देहरादून। लक्ष्मण सिद्ध मंदिर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को भंडारा किया गया। मंदिर समिति ने बताया कि सुबह रूद्र यज्ञ के साथ पूजा अनुष्ठान किया गया। हर साल की तरह सालाना भंडारा किया गया। मंदिर में पूरे दिन भक्तों की आवाजाही बनी रही। दूर दराज से भक्तगण भगवान का आशीर्वाद लेने पहुंचे व भंडारे में शामिल हुए। इस दौरान करीब आठ से दस हजार भक्त में आए और भंडारे में शामिल हुए। भक्तों ने दर्शन कर भजन किए व परिवार की खुशहाली की कामना की। लक्ष्मण सिद्ध मंदिर के महंत भारत भूषण भारती, कल्पना भारती, समिति के अध्यक्ष पंकज, पूर्व प्रधान मूलचंद सिर्सवाल,पंडित जीवन प्रकाश शुक्ला, विमलेश देवी, संजय, अनिल पंडित आदि मौजूद रहे।

दुपहिया सवार युवती बाइक की टक्कर से घायल

देहरादून। दुपहिया सवार युवती बाइक की टक्कर से घायल हो गई। जगजीत सिंह आनंद निवासी रेसकोर्स ने शनिवार को नेहरू कॉलोनी थाने में केस दर्ज कराया। बताया कि उनकी बेटी तवलीन कौर शनिवार को रेसकोर्स गुरुद्वारे से स्कूटर से घर आ रही थी। तभी बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मारी। इसमें तवलीन के दाएं हाथ में तीन फ्रेक्चर हुए और अन्य चोटें भी आई और स्कूटर भी टूट गया। एसओ मनौज नौटियाल ने बताया कि एक्सिडेंट की धाराओं में केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एक्स–रे तकनीशियनों ने मंत्री से मांगी पदोन्नति

देहरादून। उत्तराखंड एक्स–रे प्राविधिक संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल से मुलाकात कर अपनी छह सूत्रीय मांगों के संबंध में ज्ञापन सौंपा। संघ ने विभाग में एक्स–रे टेक्नीशियन संवर्ग की पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाने और रिक्त पदों की संख्या बढ़ाने की मांग प्रमुखता से उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को अवगत कराया कि वे रेडिएशन के बीच जोखिमपूर्ण कार्य करते हैं, इसलिए उन्हें विकिरण (रेडिएशन) भत्ता, वर्दी धुलाई भत्ता और पेशेंट केयर भत्ता मिलना चाहिए। लंबे समय से लंबित पदनाम परिवर्तन की मांग भी दोहराई गई। मंत्री ने मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व अध्यक्ष राजवीर सिंह, संतोष कुमार मिश्रा, विनोद कुमार पांडेय और सूर्यकांत त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

रम्पुरा में दो गुटों के बीच फायरिंग की वीडियो वायरल

रुद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में शनिवार शाम दो गुटों के बीच हुए विवाद का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में झगड़े के दौरान गोली जैसी आवाज सुनाई देने की बात कही जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक फायरिंग या मारपीट की पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के अनुसार, रम्पुरा चौकी से कुछ ही दूरी पर स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास पुरानी रंजिश को लेकर दो गुट आमने–सामने आ गए। देखते ही देखते कहासुनी बढ़ गई और मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विवाद के दौरान एक गुट ने एक युवक की बाइक क्षतिग्रस्त कर दी और हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ युवक दीवार की ओट में झगड़ते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में गोली की आवाज सुनाई देने की भी चर्चा है। वहीं, एसएस–आई केसी आर्या ने बताया कि पुलिस को अब तक न तो फायरिंग और न ही मारपीट की कोई आधिकारिक सूचना मिली है। वायरल वीडियो की जांच की जा रही है ।

प्रदेश में डेमोग्राफी चेंज हुई तो आयोग गठित करे सरकार: गोदियाल

रुद्रपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने रविवार को सितारगंज में आयोजित विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भाजपा सरकार पर हमला बोला। कहा कि मुख्यमंत्री के कथनानुसार प्रदेश की डेमोग्राफी चेंज हो रही है तो इसके जिम्मेदार का पता लगाने के लिए आयोग का गठन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा की झूठ परोसने की कला को समझ चुकी है। अब जवाब देने के लिए तैयार है। रविवार को प्रदेश अध्यक्ष गोदियाल का सितारगंज पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। करन गार्डन में आयोजित कार्यकर्ता, बीएलए सम्मलेन में गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस वसुधैव कुटुम्बकम पर चलती है। लेकिन झूठ पर चलने वाली भाजपा के एक झूठ में वर्ष 2022 में कांग्रेस सरकार नहीं आई। कार्यकर्ता को झूठ का पर्दाफाश करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि सीएम को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, युवाओं की समस्या, किसान, मजदूरों समेत पलायन आदि विषय पर चर्चा करनी चाहिए और समाधान निकालना चाहिये, लेकिन सीएम डेमोग्राफी चेंज की बात करते हैं। कुमाऊं में 55 शराब की नई दुकानें खोलीं। खनन का काम दक्षिण भारत की कंपनी को दिया। राज्य के युवा रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। राज्य में अंडर टेबल काम हो रहे हैं। काशीपुर के किसान को आत्महत्या करनी पड़ी। अंकिता बहिन को न्याय नहीं मिला। तानाशाही और भ्रष्टाचार में डूबी सरकार को बदलने के लिए बीएलए को एसआईआर में वोट काटने और जोड़ने पर नजर रखने की नसीहत दी। कहा कि बूथ जीतकर सीट जितानी होंगी। उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने सरकार से मांग की कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की 70 सीटों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए। यहां नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, पूर्व विधायक नारायण पाल, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, पूर्व विधायक हेमेश खर्कवाल, कांग्रेस प्रदेश सचिव नवतेज पाल सिंह, कांग्रेस नगर अध्यक्ष सरताज अहमद, ब्लॉक अध्यक्ष रणजीत राणा, शक्तिफार्म ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य, हरपाल सिंह, करन जंग, नारायण बिष्ट, सुरेंद्र सिंह, मुगनी अहमद, सुमित्तर भुल्लर, गुरसेवक सिंह मोहार, आजम मलिक, शाकिर अली बब्बू, नरेंद्र आर्या, रेखा सोनकर, त्रिनाथ विश्वास मौजूद रहे।

पुलिस मुठभेड़ में पश्चिमी यूपी का बदमाश घायल

देहरादून। बसंत विहार क्षेत्र के टी एस्टेट इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में पश्चिमी यूपी का बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने घेराबंदी कर घायल बदमाश और उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़े गए बदमाशों के पास से हथियार और घटना में प्रयुक्त स्कूटर बरामद किया गया। सूचना मिलते ही एसएसपी देहरादून ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि शनिवार आधी रात को रात थानाध्यक्ष बसंत विहार शैंकी कुमार अपनी टीम के साथ टी एस्टेट हरबंशवाला बैरियर पर वाहनों चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक नीले रंग के बिना नंबर प्लेट वाले स्कूटर पर सवार दो लोग आते दिखे। पुलिस ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया तो वे बैरियर पर रुकने के बजाय स्कूटी की रफ्तार बढ़ाकर तेजी से टी एस्टेट की तरफ भागने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया। खुद को पुलिस से घिरता देख स्कूटी सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अचानक फायरिंग कर दी गई। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की।

इस गोलीबारी में एक बदमाश को पैर में गोली लग गई और वह वहीं गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों बदमाशों को घेर कर दबोचा। जिस बदमाश के पैर गोली लगी उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दोनों के खिलाफ पुलिस टीम पर जानलेवा हमले की धाराओं में बंसत विहार थाने में केस दर्ज किया गया है।

पेंशनर्स को इलाज में मिलेगी प्राथमिकता, अस्पतालों में 5 बेड होंगे आरक्षित

हरिद्वार। सीएमओ डॉ. आरके सिंह ने जिले के सभी अस्पतालों को पेंशनर्स और वरिष्ठ नागरिकों को उपचार और जांच में प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने प्रत्येक अस्पताल में पांच बेड पेंशनर्स के लिए आरक्षित रखने की घोषणा भी की। सीएमओ ने यह बात गवर्नमेंट पेंशनर्स वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन की सम्मान सभा में बतौर मुख्य अतिथि कही। मेला चिकित्सालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष बीपी चौहान ने की, जबकि संचालन महामंत्री जेपी चाहर ने किया। कार्यक्रम में जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरवी सिंह, मेला चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. राजेश कुमार, रुड़की उप जिला चिकित्सालय के डॉ. एके मिश्रा और नेत्र विशेषज्ञ डॉ. एसके सोनी सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे। डॉ. सोनी ने गर्मी के मौसम में आंखों की देखभाल और बढ़ती उम्र में होने वाले नेत्र रोगों से बचाव पर जानकारी दी। वहीं, जेपी चाहर ने देहरादून में आठवें वेतन आयोग के साथ हुई वार्ता का विवरण देते हुए पेंशन पुनरीक्षण में भेदभाव होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। सभा में पेंशनर्स ने स्वास्थ्य सेवाओं और गोल्डन कार्ड की विसंगतियों पर भी चिंता जताई। कार्यक्रम के अंत में चिकित्साधिकारियों का सम्मान किया गया और नए सदस्यों को संगठन से जोड़ा गया।

जनगणना प्रथम चरण: मकानों का सूचीकरण और गणना शुरू

रुद्रपुर। तहसील क्षेत्र में जनगणना 2027 के अंतर्गत सुपरवाइजर और प्रगणकों की टीम का गठन कर दिया गया है। टीम ने प्रथम चरण का कार्य शुरू कर दिया है। इस चरण में मकानों का सूचीकरण और गणना की जाएगी। चार्ज अधिकारी जनगणना गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि प्रथम चरण को 24 मई तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। रविवार को चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार गिरीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि जिला जनगणना अधिकारी, डीएम नितिन सिंह भदौरिया के निर्देश पर किच्छा में यह कार्य शुरू किया गया है। इसके लिए सुपरवाइजर और प्रगणकों की तैनाती की गई है। संबंधित क्षेत्रों के राजस्व निरीक्षक और उपनिरीक्षक भी सहयोग करेंगे। टीम को विभाग की ओर से आईकार्ड उपलब्ध कराए गए हैं। किसी समस्या पर तहसील स्थित कंट्रोल रूम में संपर्क किया जा सकता है।

करोड़ों की विकास योजनाओं का शिलान्यास

रुद्रपुर। प्रदेश के शहरी विकास मंत्री राम सिंह कैड़ा ने रविवार को नगर निगम परिसर में आयोजित कार्यक्रम में करोड़ों रुपये की विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड लगातार विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और रुद्रपुर को मॉडल सिटी बनाने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। मंत्री ने वार्ड 38 में नाला निर्माण व पुलिया कार्य, वार्ड 28 सब्जी मंडी में टिन शेड, सीसी सड़क व नाली निर्माण, ट्रांजिट कैंप स्थित सुभाष पार्क के सौंदर्यीकरण, विभिन्न वार्डों में हॉटमिक्स सड़क निर्माण, सड़क सरफेसिंग और नगर निगम बाउंड्रीवॉल और मुख्य द्वार निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

चार धाम में पहुंचे 2.38 लाख से अधिक श्रद्धालु

देहरादून। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार विगत शनिवार सांय 7:00 बजे तक बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में 02 लाख 38 हजार 590 तीर्थ यात्रियों ने दर्शनों का पुण्य लाभ प्राप्त किया। शनिवार को 55 हजार 998 से तीर्थ यात्री चार धाम पहुंचे। बद्रीनाथ धाम में 37 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शनः बद्रीनाथ धाम में कपाट खुलने की तिथि 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 37,884 तीर्थयात्री धाम पहुंचे। शनिवार को धाम में 13,107 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। केदारनाथ धाम में पहुंचे सबसे अधिक 1,24,782 तीर्थ यात्री : केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तिथि 22 अप्रैल से चार दिनों के भीतर 1,24,782 तीर्थयात्री धाम पहुंचे। शनिवार को धाम में 31,160 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम में 75,924 श्रद्धालु पहुंचेः यमुनोत्री एवं गंगोत्री धाम के कपट खुलने की तिथि 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 75,924 तीर्थ यात्रियों ने धामों में दर्शन किए। यमुनोत्री धाम में आज 38,206 तीर्थ यात्रियों ने तथा गंगोत्री धाम में 37,718 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

वाहन दुर्घटना के मृतकों के परिजनों को विधायक ने सौंपे चेक

नई टिहरी। विधायक शक्ति लाल शाह ने बीते 23 अप्रैल को चंबा–कोटीकॉलोनी मोटर मार्ग पर नैल के समीप वाहन दुर्घटना में जान गंवाने वाले छह लोगों के घर–घर जाकर परिजनों को प्रदेश सरकार की ओर से तीन–तीन लाख रुपये की आर्थिक सहायता के चेक दिए। प्रभावितों को हरसंभव का सहायता का भरोसा भी दिया। दुर्घटना के मृतकों के परिवारों की आर्थिक मदद के लिए पांच–पांच लाख रुपये प्रदेश सरकार और दो–दो लाख रुपये केंद्र सरकार ने भी स्वीकृत किए हैं। विधायक शाह ने कहा कि अवशेष धनराशि भी जल्द मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने चांजी–चकरेडा में दो–दो, ठेला, होल्टा में एक–एक पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता के चेक देकर उन्हें ढांढस बंधाया।

अभिनेता सुनील शेट्टी पत्नी संग परमार्थ निकेतन पहुंचे

ऋषिकेश। बॉलीवुड फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी अपनी पत्नी माना शेट्टी संग तीर्थनगरी के परमार्थ निकेतन पहुंचे। वहां उन्होंने अध्यात्मिक गतिविधियों में शिरकत की और परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती से आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने परमार्थ निकेतन में विभिन्न अध्यात्मिक गतिविधियों में शिरकत कर सनातन की गहराइयों को जाना। फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी ने कहा कि परमार्थ निकेतन का वातावरण एक अनुभूति है। यहां आकर मन स्वतः शांत हो जाता है और जीवन की प्राथमिकताएं स्पष्ट होने लगती हैं। उन्होंने कहा कि भारत की शक्ति उसकी आध्यात्मिक चेतना, पारिवारिक मूल्य और संस्कृति में निहित है। यदि युवा पीढ़ी इन मूल्यों को समझ ले, तो भारत विश्व के लिए केवल आर्थिक शक्ति नहीं, बल्कि नैतिक नेतृत्व भी बन सकता है। माना शेट्टी ने कहा कि यहां की शांति, गंगा की धारा, साधना की ऊर्जा और सेवा की भावना मन को भीतर तक स्पर्श करती है। उन्होंने अनुभव साझा किया कि यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि आत्मिक पुनर्जागरण जैसा अनुभव है।

वीकेंड पर जाम का झाम, पहाड़ का ट्रैफिक डायवर्ट

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा के बीच वीकेंड पर रविवार को पर्यटक वाहनों के दबाव से ऋषिकेश और मुनिकीरेती क्षेत्र में ट्रैफिक पटरी से उतर गया। शहर में मुख्य और बाईपास मार्ग पर पहाड़ का रुख करने वाले वाहन सवारों को जाम और स्लो ट्रैफिक की समस्या झेलनी पड़ी। पर्वतीय इलाकों से ऋषिकेश और हरिद्वार की ओर आने वाले वाहन भी जाम में फंसे, जिसके चलते गरुड़चट्टी से ट्रैफिक को डायवर्ट करते हुए बैराज से चीला होते हुए हरिद्वार की ओर भेजा गया। रविवार सुबह से ही दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों से ऋषिकेश में पर्यटकों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह दस बजे तक पर्यटक वाहनों के दबाव से सड़कों पर जाम लगना शुरू हो गया। ऋषिकेश में मुख्य और बाईपास मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने से हरिद्वार बाईपास रोड पर इंद्रमणि बडोनी चौक से लेकर योगनगरी रेलवे स्टेशन तक मुनिकीरेती का रुख करने वाले वाहनों की कतारें लग गईं।

सड़क पर पड़े दो घायलों को मंत्री बहुगुणा ने पहुंचाया अस्पताल

रुद्रपुर। सड़क पर पड़े दो घायलों को कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया। रविवार को मंत्री बहुगुणा, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह पीलीभीत से शादी समारोह से लौट रहे थे। पीलीभीत हाईवे में बाइक सवार दो लोग गम्भीर रूप से घायल अवस्था में सड़क में पड़े थे। मंत्री ने अपनी कार रोककर दोनों घायलों को एम्बुलेंस का इंतजार किए बिना अपने सरकारी वाहन से नदजीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां तुरंत डॉक्टरों ने घायलों का इलाज शुरू कर दिया। पुलिस के माध्यम से परिजनों को सूचना दी। मंत्री बहुगुणा ने लोगों से कहीं भी हादसा होने पर घायलों को अस्पताल पहुंचाने या 108 आपात सेवा को सूचना देने की अपील की।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक के खाते से 15 लाख रुपये निकाले

रुद्रपुर। नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती एक युवक के बैंक खाते से 15 लाख रुपये निकालने का मामला सामने आया है। कोतवाली पुलिस ने केंद्र संचालक समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम बलकरनपुर, थाना माधोटांडा जिला पीलीभीत यूपी निवासी कमलजीत कौर पत्नी कमलजीत सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पति नशे के आदी हैं। वर्ष 2025 में नशे की हालत में उन्होंने अपनी करीब 8.5 एकड़ जमीन का सौदा पुष्प कुमार व उसके भाइयों के साथ कर दिया था। जानकारी मिलने पर उन्होंने तहसील में आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया और जमीन वापस करने पर सहमति बनी। पीड़ित के अनुसार, पति की लत छुड़ाने के लिए उन्हें नव जीवन नशा मुक्ति केंद्र, बिजटी चौराहा, सितारगंज में भर्ती कराया गया था। आरोप है कि केंद्र के संचालक रनधीर सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी ग्राम करघटिया सितारगंज ने अपने साथियों हरदीप सिंह उर्फ बूटा सिंह पुत्र मोहर सिंह निवासी सितारगंज और जसवंत सिंह व अन्य के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा।

एक नजर

स्वच्छता अभियान चलाकर किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः सांस्कृतिक संस्था भागीरथी कला संगम और श्रीनगर नगर निगम की ओर से मां धारी देवी मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में वृहद स्तर पर सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान क्षेत्र से कूड़ा एकत्रित कर उसका निस्तारण किया गया।

रविवार सुबह संस्था और नगर निगम की टीमें कलियासौड़ पहुंचीं और वहां से सफाई अभियान की शुरुआत की। यह अभियान कलियासौड़ से होते हुए मां धारी देवी मंदिर परिसर तक चलाया गया। वहीं नगर निगम की टीम ने भी तत्परता दिखाते हुए कई गाड़ियों की मदद से एकत्रित किए गए कूड़े का साथ–साथ निस्तारण किया। मेयर आरती भंडारी ने भी सफाई अभियान में शिरकत की और स्वयं सफाई कर टीम का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र बड़थ्वाल, संरक्षक रमेश चंद्र थपलियाल, मदन गडोई, दीन बंधु चौहान, भगत सिंह बिष्ट, प्रमोद नौडियाल, अवधेश मणि, धर्मेंद्र, यमुना प्रसाद आदि मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा सीजन में पार्किंग से हो रहा मुनाफा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रीनगर में रोडवेज की पार्किंग अब मुनाफे का सौदा साबित होने लगी है। लगभग एक साल पहले शुरू हुई इस पार्किंग में अब वाहनों की कतारें लग रही हैं। खास–कर यात्रा सीजन में यहां यात्री वाहनों (टेंपो ट्रैवलर्स आदि) की आवाजाही बढ़ने से निगम की रोजाना की कमाई में दोगुना इजाफा हुआ है। श्रीनगर रोडवेज के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि पार्किंग की क्षमता 100 से अधिक वाहनों की है। चार पहिया वाहनों के लिए 30 रूपये प्रतिदिन किराया तय है। वहीं दोपहिया वाहनों के लिए 10 रुपये शुल्क निर्धारित है। अब जो लोग बाजार के काम से आते हैं वे भी अपने वाहन यहीं खड़ा कर रहे हैं। पहले जहां पार्किंग से प्रतिदिन लगभग एक हजार रूपये की आय हो रही थी वहीं अब यह आंकड़ा दो हजार रूपये के पार पहुंच गया है। मासिक कमाई भी 20 हजार से बढ़कर करीब 40 हजार तक पहुंच गई है। इसके अलावा 10 से 12 वाहन ऐसे भी हैं जो 2,000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से यहां खड़े किए जाते हैं। पार्किंग में खड़े वाहनों की सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। निगम की ओर से यहां सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

उत्कृष्ट विभूतियों को भास्करानंद स्मृति सम्मान से नवाजा

रुद्रप्रयाग। कलश साहित्यिक संस्था ने स्वामी सच्चिदानंद स्मृति समारोह आयोजित कर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को ज्योतिर्विद पंडित भास्करानंद बेंजवाल स्मृति सम्मान–2026 से सम्मानित किया। नगर पालिका सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष चंद्र शेखर पुरोहित ने स्वागत संबोधन दिया। इसके बाद सरस्वती विद्या मंदिर बेलनी के छात्रों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। गरिमा नौटियाल ने स्वामी सच्चिदानंद के जीवन पर प्रकाश डाला। सम्मान समारोह में शिक्षक बच्ची राम पुरोहित, प्यारे लाल डोभाल, विश्वेश्वर प्रसाद काला, राइका रुद्रप्रयाग के प्रथम प्रधानाचार्य हीरा वल्लभ थपलियाल, टाउन एरिया के प्रथम अध्यक्ष लीलानंद भट्ट और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बचन राम गैरोला को मरणोपरांत सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके अलावा स्वामी के प्रिय शिष्य त्रिभुवन सिंह बर्त्वाल, ज्योतिर्विद पंडित महिमानंद वशिष्ट, ट्रस्ट के संस्थापक कर्नल देवी प्रसाद डिमरी, रंगकर्मी लखपत सिंह राणा, रक्तदाता आशीष शुक्ला, रक्तदाता रूपेश सेमवाल और समाजसेवी व व्यापार मंडल सतेराखाल के अध्यक्ष दीपक नेगी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक चंद्र शेखर बेंजवाल, संस्था अध्यक्ष ओम प्रकाश सेमवाल, सह संयोजक सुधांशु बेंजवाल और सुधा बेंजवाल ने आयोजन की जानकारी दी।

कार की टक्कर से बच्चा घायल, श्रीनगर किया रेफर

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि कस्बे में रविवार सुबह एक बच्चा यात्री वाहन की टक्कर से घायल हो गया। बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर श्रीनगर रेफर किया गया है। ग्राम नाकोट निवासी करीब कार्तिक (10) बाजार आया था। तभी रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड जा रही कार से वह टकराकर घायल हो गया। हादसे में बच्चे के पैर पर गंभीर चोट आई और अधिक रक्तस्राव हुआ। स्थानीय लोगों ने तुरंत बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्त्यमुनि पहुंचाया जहां डॉ. प्रियांशी ने प्राथमिक उपचार किया। स्थिति गंभीर होने और एक्स–रे सुविधा बंद होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए श्रीनगर रेफर किया गया।

यात्रा में संचालित होटल–ढाबा संचालकों को दिया प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने होटल और ढाबा संचालकों को प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का आयोजन खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन गढ़वाल मंडल ने किया जिसमें करीब 40 से 50 व्यवसायियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में साफ–सफाई, सुरक्षित भंडारण, गुणवत्तापूर्ण सामग्री और स्वच्छ खाना बनाने की विधियों की जानकारी दी गई। उपायुक्त आरएस रावत ने सभी संचालकों से खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 का पालन करने को कहा। साथ ही खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और कर्मचारियों की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

केदारनाथ धाम में जेबकतरा गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में यात्रियों के पर्स और बैग चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से यात्रियों के चोरी किए गए पर्स, दस्तावेज और नकदी भी बरामद हुई है। बीते शनिवार को केदारनाथ चौकी में तैनात उपनिरीक्षक मुकेश डिमरी टीम के साथ क्षेत्र में चेकिंग पर थे। इस दौरान पुलिस को शिकायत मिली कि घोड़ापड़ाव के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति खड़े हैं जो यात्रियों का सामान चोरी करने के फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को पकड़ा। उपनिरीक्षक मुकेश डिमरी ने बताया कि आरोपियों की पहचान राजन कुमार और सन्नी कुमार निवासी लुधियाना पंजाब के रूप में हुई। आरोपियों के पास से आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी, पर्स, हैंडबैग, 5450 रुपये नकद और एक रेलवे टिकट भी बरामद हुआ।

शादियों के सीजन में बिगड़ रही शहर की यातायात व्यवस्था

कोटद्वार में देवी रोड से नजीबाबाद चौराहे के मध्य लगा वाहनों का लंबा जाम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शादियों के सीजन में शहर की यातायात व्यवस्था बेपटरी हो गई है। सुबह से ही सड़कों पर जाम की स्थिति बन रही है। घंटों लग रहे जाम ने राहगीरों के पसीने छुड़वा दिए हैं। सबसे बुरी स्थिति नजीबाबाद चौराहे पर देखने को मिल रही है। जहां ट्रैफिक लाइट का संचालन किया जा रहा है। लेकिन, दोनों ओर अतिक्रमण होने के कारण आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है।

रविवार को क्षेत्र में कई शादियां थी। ऐसे में पहाड़ व मैदान से बड़ी संख्या में लोग शहर में आवागमन कर रहे थे।

नजीबाबाद चौक में लालबत्ती होने पर पैदल चलना भी हो रहा मुश्किल

जिसके कारण सड़कों पर वाहनों का दबाव देखने को मिला। यही कारण था कि सुबह से सड़कों पर जाम की स्थिति बन रही थी। भीषण गर्मी में लग रहे जाम ने सबसे अधिक दोपहिया वाहन चालकों की चुनौती बढ़ाई। शहर के बीच से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही अन्य मुख्य मार्गों पर पूरे दिन वाहन रेंग–रेंगकर चलते रहे। जाम का मुख्य कारण बेतरतीब तरीके से घूमती रहती ठेली व अवैध पार्किंग था। लोगों का कहना है कि शहर में कहीं भी पार्किंग की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में खरीददारी करने के लिए आने वाले लोग अपने वाहनों को सड़क पर ही खड़ा कर देते हैं। जिससे व्यवस्थाएं बेपटरी हो रही है।

नजीबाबाद चौराहे पर बिगड़ रही व्यवस्था

शहर में यातायात व्यवस्था बेहतर बनाने के उद्देश्य से नजीबाबाद चौराहे पर ट्रैफिक लाइट लगाई गई थी। लेकिन, चौराहे को जोड़ने वाले मार्गों से अतिक्रमण हटाने की कोई सुध नहीं ली गई। नतीजा, ट्रैफिक लाइट लाल होते ही आमजन का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। जबकि, पूर्व में स्थानीय लोग अतिक्रमण हटाने व व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने पर ही ट्रैफिक लाइट संचालन की मांग उठा चुके हैं।

वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः गढ़वाल विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में डीएनए दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर हुई प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। इसके बाद स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर विवि के विकास में उनके योगदान पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्य अतिथि हिमालयन बायोडायवर्सिटी के विभागाध्यक्ष डॉ. जसपाल सिंह चौहान ने छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवन विज्ञान में एआई के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग केवल एक मददगार टूल के रूप में करें। उस पर निर्भर होने से बचें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. पूजा सकलानी ने कहा कि इस तरह की प्रतिस्पर्धी गतिविधियां छात्रों में बहुआयामी ज्ञान के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। डॉ. संजय कुमार सिंह पटेल ने डीएनए दिवस का महत्व और इसके विकास की जानकारी दी। डीएनए दिवस पर चार प्रतियोगिताएं हुईं। पोस्टर प्रतियोगिता में अनुराग भंडारी ने पहला, विभांशु और हिमांशु की टीम ने दूसरा तथा युक्ता और संजना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वीडियो प्रतियोगिता में अनुभव प्रथम, आस्था द्वितीय और शिवानी तृतीय रहीं। क्विज प्रतियोगिता में केशव खंडूड़ी ने पहला, अंकित कुमार ने दूसरा और विनीत भट्ट व रजनंदिनी की टीम ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। मॉडल प्रतियोगिता में आईबीटी 10वें और एमएससी 4 सेमेस्टर की टीम 5 प्रथम, आईबीटी 8वें सेमेस्टर की टीम 2 द्वितीय और बीएससी दूसरे सेमेस्टर की टीम 4 तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के दौरान मेधावी शिवम कुमार और स्तुति खंडूड़ी को यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड जीतने पर जबकि अंशिका वर्मा को राष्ट्रीय पोस्टर प्रतियोगिता में पहला स्थान पाने पर सम्मानित किया गया।

काश्तकारों को उपलब्ध करवाए जाएं उन्नत किस्म के बीज

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः काश्तकारों को खेती से संबंधित जानकारी देने के लिए कृषि विभाग की ओर से आत्मा योजना के तहत बैठक आयोजित की गई। इस दौरान काश्तकारों ने उन्हें उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध करवाने की मांग उठाई। इस मौके पर पार्षद सुखपाल शाह को किसान सलाहकार समिति का ब्लाक अध्यक्ष भी चुना गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि एवं खाद्य सरंक्षण अधिकारी राजवीर सिंह ने किया। उन्होंने सरकार के माध्यम से चलाई जा रही योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। कहा कि किसानों को योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। ब्लाक प्रभारी केहर सिंह चौधरी नेकहा कि वर्तमान में कृषि विभाग किसानों को पावर टिलर के लिए 80 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। कहा कि जो किसान पोली हाउस लगाना चाहते हैं उन्हें भी सरकार की तरफ से 80 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के लिए न्यायपंचायत स्तर पर शिविर लगाया जाएगा। किसानों ने कहा कि आम तौर पर विभाग की तरफ जो बीज दिया जाता है, उसमें कुछ बीज अच्छी किस्म का नहीं होता है, जिसके कारण किसानों की उपज में गिरावट आती है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुखपाल शाह ने कहा प्रधानमंत्री सिंचाई योजना नगर निगम क्षेत्र के लोगों के लिए भी लागू होनी चाहिए। जिससे नगर निगम क्षेत्र में रह रहे किसानों को भी इसका लाभ मिल सके। इस मौकेपर शशि मोहन बिंजोला, दीप शिखा, धुरी मलाई, स्मिता भंडारी, यशपाल सिंह, रजनी देवी, अंबिका राठी, ओचंद, पूनम देवी, हरि सिंह रावत, मौजूद रहे।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग, शहर में निकली आक्रोश रैली

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर सरकारी कर्मचारियों ने शहर में आक्रोश रैली निकाली। कहा कि लगातार आंदोलन के बाद भी कर्मचारियों की समस्या को लेकर लापरवाही दिखाई जा रही है। ऐसे में यदि जल्द पुरानी पेंशन बहाल नहीं हुई तो कर्मचारी सड़क पर उतरकर आंदोलन को तेज करेंगे।

रविवार को पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के जिलाध्यक्ष अनूप जदली के नेतृत्व में शिक्षा विभाग सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में एकत्र हुए।

यहां से रैली की शुरुआत करते हुए कर्मचारी लालबत्ती चौराहा, झंडा चौक और मालवीय उद्यान होते हुए तहसील परिसर पहुंचे।तहसील परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पिछले दस वर्षों से कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों के हितों की अनदेखी कर शोषणकारी योजनाएं लागू कर रही है। वक्ताओं ने कहा कि जहां एक ओर जनप्रतिनिधियों को कई-कई पेंशन मिल रही हैं, वहीं लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को पेंशन से वंचित रखा जा रहा है।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार कर्मचारियों के भविष्य को निजी कंपनियों के हवाले कर रही है, जिसका देशभर में विरोध हो रहा है। चेतावनी दी गई कि यदि केंद्र और राज्य सरकार ने जल्द ही पुरानी पेंशन योजना लागू नहीं की, तो कर्मचारी प्रदेशभर में उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।इस मौके पर अरविंद निराला, अनिल कोटनाला, संतू दास, सुबोध ध्यानी, बलवीर सिंह रावत, विजेंद्र बिष्ट, कुलदीप रावत, गोपी चंद्र बिदुड़ी, संतन बिष्ट, संतोष, लक्ष्मण बिष्ट, कौशिद अली, राहुल लखेड़ा, चंद्रमोहन रावत, चंद्र किरण राणा और भीम सिंह बिष्ट सहित कई कर्मचारी मौजूद रहे।

कोटद्वार में पुरानी पेंशन बहाली को लेकर आक्रोश रैली निकालते कर्मचारी

एलिवेटेड मार्ग निर्माण को धरना जारी, आंदोलन की चेतावनी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः लालढांग-चिलरखाल मोटर मार्ग को निर्माण की मांग को लेकर स्थानीय लोगों का धरना रविवार को भी जारी रहा। लोगों ने कहा कि वह केवल एलिवेटेड मार्ग ही चाहते हैं। ऐसे में यदि जल्द उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो वह आंदोलन को मजबूर होंगे।

रविवार को लोगों ने चिलरखाल वन चौकी के समीप एकत्रित होकर धरना दिया। लोगों ने कहा कि 12 फरवरी को न्यायालय ने मार्ग निर्माण को हरी झड़ी दिखाई थी। लेकिन, अब तक मार्ग निर्माण को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई गई है। स्थानीय जनता की सुविधा को देखते हुए मार्ग को एलिवेटेड बनाया जाना चाहिए। जिससे मार्ग पर व्यवस्थाएं बेहतर तरीके से संचालित हो सकें। कहा कि उक्त मार्ग निर्माण से ही क्षेत्र का बेहतर विकास होगा। साथ ही कण्वाश्रम को भी विश्व पटल पर पहचान मिलेगी। धरना देने वालो में रंजना देवी, पुष्पा देवी, मोहन सिंह आदि मौजूद रहे।

कोटद्वार में मार्ग निर्माण को लेकर धरना देते लोग

लैंसडौन छावनी बोर्ड का नाम बदलने पर विधायक नाराज, भेजा पत्र

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भाजपा विधायक दिलीप रावत ने लैंसडाउन छावनी बोर्ड का नाम बदलने की चल रही प्रक्रिया पर आपत्ति जताई है। उन्होंने अपनी चिंताओं को व्यक्त करने के लिए केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को एक पत्र लिखा है।

विधायक ने इस बात पर ज़ोर दिया कि लैंसडाउन एक फलता–फूलता पर्यटन केंद्र है, जो दुनिया भर से आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करता है। उन्होंने तर्क दिया कि इस पर्यटन शहर का नाम बदलने से क्षेत्र के बढ़ते पर्यटन उद्योग पर बुरा असर पड़ेगा।वहीं लैंसडौन का नाम बदलकर जसवंत गढ़ छावनी करने के प्रस्ताव का विरोध लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न स्थानीय संगठनों ने इस प्रस्ताव को जनभावनाओं के विपरीत बताया है।

संगठनों ने आगामी 28 अप्रैल को सांकेतिक बाजार बंदी के साथ ही धरना–प्रदर्शन व जुलूस निकालने का फैसला किया है। यह निर्णय लैंसडौन होटल एसोसिएशन, कैंट होटल एसोसिएशन, व्यापार मंडल, होटल एसोसिएशन जीएम ग्रुप और नागरिक मंच के पदाधिकारियों की बैठक में लिया गया। संगठनों ने सुझाव दिया कि वीर योद्धा हीरो ऑफ द नेफा राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की स्मृति में युवाओं को रोजगार देने वाला संस्थान या आधुनिक चिकित्सालय स्थापित किया जाना चाहिए जिसका लाभ आमजनों को मिल सके।

कैंट बोर्ड ने 10 अप्रैल को पारित किया था प्रस्ताव

केंद्र सरकार के दिशा–निर्देशों के तहत छावनी परिषद ने लैंसडौन का नाम जसवंत गढ़ करने के संबंध में बीती 10 अप्रैल को आयोजित बोर्ड बैठक में प्रस्ताव पारित किया था। इस बारे में आम जनता से 30 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे गए हैं। कैंट बोर्ड के प्रस्ताव के विरोध में विभिन्न संगठन लामबंद होने लगे हैं।

संकरी राहों पर वाहनों का रैला, लग रहा जाम

गोपेश्वर। चमोली–मंडल–ऊखीमठ–कुंड हाईवे चारधाम यात्रा वाहनों का दबाव नहीं झेल पा रहा है। मार्ग पर कई जगहों पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे तीर्थयात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत गंगोलगांव चाड़ा और देवलधार गांव के समीप हो रही है। यहां सड़क संकरी और तीखा मोड़ होने के कारण वाहनों की आवाजाही मुश्किल से हो पा रही है। रविवार को भी यहां जाम की स्थिति बनी रही। चमोली–कुंड हाईवे (110 किमी) अधिकांश जगहों पर केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के सेंचुरी एरिया से होकर गुजरता है। चमोली बाजार से ही हाईवे तंग हालत में है। गोपेश्वर नगर के हल्दापानी, सुभाषनगर और नैग्वाड़ में सड़क संकरी होने के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्वाड़, देवलधार, बेरागना के साथ ही चोपता से कांचुलाखर्क तथा गोपेश्वर से कांचुलाखर्क तक भी जगह–जगह हाईवे संकरा है। सामाजिक कार्यकर्ता सतेंद्र रावत का कहना है कि हाईवे का जब तक चौड़ीकरण नहीं हो जाता तब तक जाम से मुक्ति नहीं मिल सकेगी। केदारनाथ के दर्शन कर अधिकांश तीर्थयात्री इसी मार्ग से होते हुए बदरीनाथ धाम पहुंचते हैं। वाहनों का रेला उमड़ने से हाईवे पर जाम लग रहा है। केंद्र सरकार को शीघ्र हाईवे का चौड़ीकरण शुरू कर देना चाहिए जिससे यहां परेशानियां न झेलनी पड़ें।

धुलिया मेमोरियल फुटबॉल चैम्पियनशिप में लोसा लायंस बनी विजेता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार/लैंसडौनः गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर में आयोजित 'श्री शरद चन्द्र धुलिया मेमोरियल फुटबॉल चैम्पियनशिप 2026' का समापन समारोह बड़े उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान लोसा लायंस विजय रहा।

कार्यक्रम में ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी (विशिष्ट सेवा मेडल), कमांडेंट, गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान सेना के अधिकारी, धुलिया फाउंडेशन के सदस्य, जवान, रिक्रूट्स और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। फाइनल मुकाबला गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर और लोसा लायंस के बीच खेला गया, जो निर्धारित समय तक 2–2 की बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनाल्टी शूटआउट में लोसा लायंस ने 5–4 से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने सेना और नागरिकों के बीच आपसी समन्वय और भाईचारे को मजबूत करने पर जोर दिया। वहीं, स्वर्गीय शरद चन्द्र धुलिया की स्मृति में उनके मित्र अतुल भट्ट को रेजिमेंटल मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। आयोजन के अंत में सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के निरंतर आयोजन का संकल्प लिया गया।

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

पर्यावरण प्रहरी बचनी देवी ने ली अंतिम सांस

नई टिहरी। अदवाणी गांव निवासी चिपको नेत्री बचनी देवी का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने 1977 में हेंवलघाटी के अदवाणी क्षेत्र में जंगलों के व्यापारिक कटान के खिलाफ सशक्त विरोध कर चिपको आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके निधन पर विभिन्न सामाजिक संगठनों और चिपको आंदोलन से जुड़े लोगों ने शोक व्यक्त किया है। बचनी देवी उस समय आंदोलन के शीर्ष नेताओं धूम सिंह नेगी, विजय जड़धारी और सुदेशा बहन के साथ खड़ी हो गई थीं। उनके पति बख्तावर सिंह गांव के प्रधान और जंगलों के ठेकेदार भी थे। इसके बावजूद बचनी देवी ने जंगलों को बचाने के लिए अपने पति व परिवार से विद्रोह किया। उन्होंने दृढ़ता से कहा था कि परिवार बाद में है पहले जंगलों को बचाना है। उन्होंने क्षेत्र की महिलाओं को भी आंदोलन में संगठित करने का कार्य किया। कई दिनों तक परिवार का विरोध झेलते हुए भी वे आंदोलन में सक्रिय भागीदारी करती रहीं। आखिरकार सरकार को अदवाणी में जंगलों के कटान पर रोक लगानी पड़ी।

चिपको आंदोलन के नेता विजय जड़धारी ने बचनी देवी के योगदान को प्रेरणादायी बताया है। उन्होंने चिपको आंदोलन के दर्शन को समझते हुए जंगलों को बचाने का कार्य किया। बचनी देवी हमेशा प्रकृति से जुड़ी रहीं, इसीलिए उन्होंने इतना लंबा जीवन भी जिया। उनका यह कार्य भावी पीढ़ियों के लिए एक मिसाल है। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव शिवपुरी में किया गया। वे अपने पीछे पांच पुत्रों और दो पुत्रियों का भरा–पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

निधन पर धूम सिंह नेगी, सुदेशा बहन, रघुभाई जड़धारी, दयाल सिंह भंडारी, डीपी उनियाल, पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र भंडारी, पूर्व पालिकाध्यक्ष सूरज राणा, साब सिंह सजवाण, कुसुम रावत ने शोक जताने के साथ ही श्रद्धांजलि दी।

आरव मनराल बने अध्यक्ष नैतिक मंत्री

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वारः जानकी नगर स्थित हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में शिशु भारती का गठन किया गया। इस दौरान छात्र आरव मनराल को अध्यक्ष व नैतिक को मंत्री बनाया गया।अन्य पदों पर भवानी को उपाध्यक्ष आदित्य को उपमंत्री, ऋषभ को सेनापति व दक्ष को उपसेनापति चुना गया। इसके अलावा विभागों को सक्रिय बनाने के लिए सुप्रिया को वंदना प्रमुख, शैलेश व लकित राज को घोष प्रमुख, करन को साज सजा, रौनक को क्रीड़ा प्रमुख, आराध्या को पुस्तकालय प्रमुख, आरोही पंत को जयंती व कार्यक्रम प्रमुख, दिव्याशी को संगीत प्रमुख, ऋषिका को भोजन प्रमुख, तनुज को विद्युत प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य महेंद्र गौड, प्रयाद दत्त चमोली, मनोज जोशी, अंचल कुमार, योगेश नेगी,गीता रावत, सुनीता पंत, कीर्ति द्विवेदी, अंजू चमोला, श्रेया चौधरी, दीक्षा, पूजा चतुर्वेदी मौजूद रहे।

हर ब्लॉक में पांच आदर्श ग्राम बनाए जाएंगे : कौशिक

नई टिहरी। पंचायती राज और आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि प्रदेश के हर ब्लॉक में पांच आदर्श ग्राम बनाए जा रहे हैं। योजना को मूर्त रूप देने के लिए पंचायत विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग मिलकर कार्य करेंगे। चारधाम यात्रा में पहली बार आयुष को भी जोड़ा गया है। आपदा प्रबंधन के कार्यों के लिए प्रत्येक जिले को एक करोड़ दिए जा रहे हैं। पत्रकार वार्ता में कैबिनेट मंत्री कौशिक ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक में पांच आदर्श ग्राम बनाए जा रहे हैं। इसको लेकर ठोस नीति तैयार की जा रही है। आदर्श ग्राम बनाने के लिए कितने मुख्य बिंदुओं पर फोकस जाए। इसके लिए पंचायत विभाग और आपदा प्रबंधन विभाग के उच्चाधिकारियों की संयुक्त बैठक इसी सप्ताह होनी है। हर ब्लॉक में ब्लॉक अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी और जनप्रतिनिधि चयनित गांवों की मॉनिटरिंग करेंगे।

संपादकीय

खाकी नहीं अब न्याय बोलेगा

पुलिस तंत्र की भूमिका आम आदमी की सुरक्षा और न्याय के लिए तय की गई है लेकिन इसी खाकी में यदि कुछ पुलिसकर्मी अपने स्वार्थ के लिए किसी को पागल बनाने पर ही तुल जाएं तो फिर उस तंत्र से न्याय की आशा नही की जा सकती। उत्तराखंड के एक युवक केशव थलवाल का मामला लंबे समय से चर्चा में है जिसमें पुलिस पर उसने गंभीर आरोप लगाए हैं। विडंबना यह है कि इस प्रकरण में पुलिस विभाग के अधिकारियों ने भी मामले की जांच करने की अपेक्षा अपने साथियों को बचाने में पूरा जी जान लगा दिया। यहां तक की एक अच्छे खासे युवक को पागल बताने में कोई कमी पेशी नहीं छोड़ी। युवक केशव थलवाल के साथ किए गए अमानवीय व्यवहार ने सारी हदों को दरकिनार कर दिया लेकिन सबसे शर्मनाक तो यह है कि आरोपित किए गए पुलिसकर्मियों को विभागीय अधिकारियों ने क्लीन चिट दे दी। हालांकि इसमें आश्चर्य जनक कुछ भी नही है कि आरोपी भी पुलिस वाला और जांच करने वाले भी उसी के विभाग के अधिकारी तो रिपोर्ट आखिर कैसे एक पीड़ति के पक्ष में आ सकती है? क्लीन चिट मिलने के बाद खुद को पाक साफ बताने वाले आरोपित पुलिसकर्मियों को अब न्यायालय की ऐसी फटकार लगी है जिसमें उनके सारे कच्चे चिट्ठे जल्दी खुलने की संभावना है दिखने लगी है। नैनीताल उच्च न्यायालय ने पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए अधिकारियों को सवालों के कटघरे में खड़ा किया है। इस पूरी प्रक्रिया में जांच कर रही पुलिस टीम ने अदालत के आदेशों के बाद भी ना तो कोर्ट को पुलिस थाने की सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराई और ना ही निर्देशित किए जाने के बाद ही पीड़ति केशव थलवाल का मेडिकल कराया गया। आखिरकार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नाराजगी कोर्ट में देखने को मिली और उन्होंने सवाल किया कि आखिर एक व्यक्ति को क्यों पागल बनाने पर तुले हुए हो वह भी बिना किसी मेडिकल जांच के? पुलिस की हठधर्मिता इस प्रकार से बढ़ चुकी है कि अदालत के आदेशों के बावजूद भी कोर्ट में अधूरी जानकारी लेकर पहुंच रहे हैं जिसका खामियाजा अब भुगतना पड़ रहा है। इस मामले ने अब एक बड़ी करवट ली है और जिस प्रकार से कोर्ट की तल्खी सामने आई है उससे तो अब निश्चित तौर पर लगने लगा है कि पुलिसकर्मी इस प्रकरण में बच नहीं पाएंगे। केशव थलवाल ने इस मामले में एक लंबी लड़ाई लड़ी है वह भी तब जब जांच करने वाले और पीड़ति करने वाले सब पुलिसकर्मी ही थे। बेखौफ वह अपनी लड़ाई लड़ता रहा इस सबके बावजूद भी की केशव थलवाल को पागल बताने में विभाग ने भरसक प्रयास किए, लेकिन सत्य परेशान हो सकता है पराजित नहीं। सत्य के मार्ग पर चलने वालों को संघर्ष ,कठिनाइयों, दुखों का सामना करना पड़ सकता है, किन्तु अंततः जीत सत्य की ही होती है। इसमें कोई शक नहीं है कि पुलिस की वर्दी पहनने के बाद इंसान इंसानियत भूल जाता है और सारी हदें पार करने लगता है और अपने आप को सवीपरि समझने लगते हैं। कोर्ट के रवैए के बाद आशा ही नहीं पूर्ण उम्मीद दिखने लगी है कि जज साहब इस केस को सत्यता की ओर ले जाएंगे। केशव को न्याय मिलना ही चाहिए एवं सत्य की जीत होनी चाहिए, दूध का दूध पानी का पानी होना चाहिए। झूठ जादा समय तक नहीं चलता है। इस पूरे प्रकरण में उत्तराखंड की क़ानून व्यवस्था पर सवाल तो उठता ही है लेकिन मीडिया की भूमिका भी सत्य का साथ देने की अपेक्षा खामोश रहने में अधिक सक्रिय नजर आई है। मीडिया की खामोशी से लगता है की सरकार और पुलिस प्रशासन के दबाव में मीडिया काम कर रही है ये राज्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। अब जबकि मामला कोर्ट में पहुंच गया है तो लग रहा है कि केशव थलवाल को न्याय मिलेगा और सही तथ्य सामने आयेंगे, यदि केशव थलवाल के द्वारा लगाए आरोप सही साबित होते हैं तो यह उत्तराखंड की पुलिस के लिए अत्यंत शर्मनाक होगा और पुलिस इतिहास में यह प्रकरण काली स्याही से लिखा जाएगा।

भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स आज के दौर में

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वाताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और 'ग्रीन एनर्जी' जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी उएढअ लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं।

हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश 'डिजिटल ब्रिज' बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है।

भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

अमेरिका में बढ़ती हिंसा और सुरक्षा की चुनौतीः डोनाल्ड ट्रम्प पर हमलों का सिलसिला और 'गन कल्चर' का संकट

कांतिलाल मांडोत

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित प्रतिष्ठित व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई ताजा फायरिंग की घटना ने एक बार फिर दुनिया का ध्यान अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था और वहां के गन कल्चर की ओर खींच लिया है। इस घटना में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बाल-बाल बच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोलियों की आवाज सुनते ही पूरा हॉल दहशत में आ गया और मेहमान मेजों के नीचे छिपने को मजबूर हो गए। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता से स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया और हमलावर को पकड़ लिया गया, लेकिन यह घटना कई गंभीर सवाल छोड़ गई है।

इस हमले के बाद एक बार फिर यह चर्चा तेज हो गई है कि अमेरिका में राजनीतिक नेताओं की सुरक्षा कितनी मजबूत है और आखिर क्यों बार-बार ऐसे हमले हो रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के साथ यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी वे कई बार हमलों या हमले जैसे खतरों का सामना कर चुके हैं।

सबसे चर्चित घटना 13 जुलाई 2024 की है, जब पेंसिल्वेनिया के बटलर शहर में एक चुनावी रैली के दौरान उन पर जानलेवा हमला हुआ था। उस समय एक हमलावर ने लंबी दूरी से असॉल्ट राइफल से फायरिंग की थी। एक गोली उनके कान के ऊपरी हिस्से को छूते हुए निकल गई थी। यह हमला बेहद खतरनाक था और अगर गोली कुछ सेंटीमीटर इधर-उधर होती, तो परिणाम भयावह हो सकते थे। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत भी हुई थी और कई लोग घायल हुए थे। इस हमले ने अमेरिकी चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया था और सुरक्षा एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प को उनके राजनीतिक करियर के दौरान कई बार धमकियां भी मिली हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद और फिर दोबारा चुनावी राजनीति में सक्रिय होने के कारण वे लगातार निशाने पर रहे हैं। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस समय-समय पर ऐसे कई संभावित हमलों को नाकाम करने का दावा करती रही है, जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती। हालांकि ये घटनाएं यह संकेत देती हैं कि खतरा लगातार बना हुआ है।

ताजा घटना में हमलावर की पहचान कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि वह एक शिक्षित व्यक्ति था, जिसने इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस में उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। यह तथ्य इस बात को और चिंताजनक बना देता है कि हिंसा की प्रवृत्ति अब केवल असामाजिक तत्वों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि समाज के शिक्षित वर्ग तक भी पहुंच रही है।

इस घटना के दौरान मलानिया ट्रम्प और उपराष्ट्रपति जेडी वंश भी मौजूद थे। सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, जो यह दशार्ता है कि ऐसी घटनाएं कितनी तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकती हैं।

अमेरिका में गन कल्चर लंबे समय से बहस का विषय रहा है। वहां हथियार रखना संवैधानिक अधिकार माना जाता है, लेकिन इसी अधिकार का दुरुपयोग लगातार बढ़ती हिंसा का कारण बन रहा है। स्कूलों में गोलीबारी, सार्वजनिक स्थानों पर हमले और राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाना अब आम घटनाएं बनती जा रही हैं। यह स्थिति केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य का भी गंभीर संकट बन चुकी है।

बराक ओबामा के कार्यकाल में भी गन कंट्रोल को लेकर कई प्रयास किए गए थे, लेकिन मजबूत लॉबी और राजनीतिक मतभेदों के कारण कोई ठोस कानून लागू नहीं हो सका। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में भी इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

हाल की घटना के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रतिक्रिया दी और कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। यह बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस घटना की गंभीरता को दशार्ता है।

अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें, तो यह स्पष्ट होता है कि डॉनल्ड ट्रम्प पर हुए हमले केवल व्यक्तिगत नहीं हैं, बल्कि यह अमेरिकी लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं पर भी हमला हैं। जब किसी देश का सर्वोच्च नेता ही सुरक्षित नहीं है, तो आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता स्वाभाविक है।

इस तरह की घटनाएं यह भी दशार्ती हैं कि सुरक्षा एजेंसियों को लगातार अपने तरीकों और तकनीकों को अपडेट करना होगा। केवल परंपरागत सुरक्षा उपाय अब पर्याप्त नहीं हैं। आधुनिक तकनीक, इंटेलिजेंस नेटवर्क और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण को भी सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनाना होगा।

साथ ही, समाज में बढ़ती कट्टरता और मानसिक असंतुलन के मामलों को भी गंभीरता से लेना होगा। जब तक इन मूल कारणों पर ध्यान नहीं दिया जाएगा, तब तक केवल सुरक्षा बढ़ाने से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

डोनाल्ड ट्रम्प पर हुए हमलों का सिलसिला यह संकेत देता है कि अमेरिका एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसे अपने गन कानूनों, सामाजिक नीतियों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यह केवल एक देश का मुद्दा नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी है कि अगर समय रहते ऐसे खतरों को नहीं रोका गया, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर हो सकती है।

इस पूरी घटना और इससे जुड़े पिछले हमलों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रम्प का राजनीतिक जीवन लगातार जोखिमों से भरा रहा है। वे कई बार मौत के करीब पहुंचे हैं, लेकिन हर बार बच निकले। हालांकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि आखिर कब तक ऐसा चलता रहेगा और क्या अमेरिका इस चुनौती का कोई स्थायी समाधान खोज पाएगा।

आम आदमी पार्टी पर बड़ा संकट- केजरीवाल कब छोड़ेंगे पार्टी सुप्रीमो की कुर्सी?

संतोष कुमार पाठक

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

आम आदमी पार्टी के सुप्रीम लीडर अरविंद केजरीवाल अपने सांसदों द्वारा 24 अप्रैल को उन्हें दिए गए गिफ्ट को कभी भूल नहीं पाएंगे। सरकार से लड़-भिड़कर केजरीवाल ने अदालत के जरिए जो सरकारी बंगला लिया था, उस बंगले में परिवार सहित शिफ्ट होने की जानकारी केजरीवाल ने जिस दिन सोशल मीडिया पर शेयर किया, उसी दिन उनके भरोसेमंद सांसदों ने उनकी पार्टी ही तोड़ दी।

आंदोलन के समय के दिग्गज नेताओं को दरकिनार कर केजरीवाल ने जिस राघव चड्ढा और संदीप पाठक जैसे नेताओं को पार्टी का बड़ा चेहरा बनाया, उन्होंने ही एक झटके में केजरीवाल का साथ छोड़ दिया। इन नेताओं ने सिर्फ केजरीवाल को झटका ही नहीं दिया, बल्कि राज्यसभा में एक तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म ही कर दिया।

राघव चड्ढा की जिस काबलियत को देखकर एक जमाने में कुमार विश्वास, संजय सिंह और अरविंद केजरीवाल ने उन्हें इंटर्न के तौर पर पार्टी के साथ जोड़ा था। उसी काबलियत का इस्तेमाल करते हुए बड़ी ही चालाकी से राघव चड्ढा ने आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से 7 का जुगाड़ (खुद को मिलाकर) करते ही बीजेपी का दामन थाम लिया।टूट के लिए कानूनी रूप से जरूरी दो-तिहाई सांसदों का जुगाड़ कर एक बार फिर से राघव चड्ढा ने अपनी काबलियत तो साबित कर दी लेकिन इस बार वे अपने ही राजनीतिक गुरु केजरीवाल पर भारी पड़ गए।

पार्टी छोड़ने से पहले उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि, जिस पार्टी को खून-पसीने से सींचा वह अपने सिद्धांतों से भटक गई है। वहीं केजरीवाल ने अपने राजनीतिक स्टाइल के मुताबिक, बीजेपी पर पंजाबियों के साथ धोखा देने का आरोप लगाया। आम आदमी पार्टी और उनके पूरे सिस्टम ने इन्हें गद्दार, यहां तक कि देशद्रोही तक साबित करने का अभियान छेड़ दिया है।

जबकि होना तो यह चाहिए था कि इतनी बड़ी टूट के बाद आम आदमी पार्टी के नेताओं, खासकर आंदोलन के समय के नेताओं को बैठकर आत्ममंथन करना चाहिए। वर्ष 2013 से पहले और उसके बाद आए तमाम नेताओं पर नजर डालते हुए, यह सोचना चाहिए कि अब तक कितने गए, कब गए, क्यों गए और किसकी वजह से गए? लेकिन इसकी बजाय केजरीवाल पार्टी छोड़कर जाने वाले हर नेता को गद्दार साबित करने में जुट जाते हैं ताकि पार्टी के अंदर कोई भी उनके रवैए पर सवाल न उठा पाए।

आप का जन्म भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए गए देशव्यापी आंदोलन से हुआ था इसलिए इस पार्टी का खत्म होना दशकों तक इस देश को आंदोलन के नाम से डराता रहेगा। इसके लिए सिर्फ ऑपरेशन लोटस और बीजेपी को जिम्मेदार बता देने से काम नहीं चलेगा।

संजय सिंह और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं को तुरंत पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की आपात बैठक बुलाकर कुछ कड़े फैसले लेने की पहल करनी चाहिए। दिल्ली में मिली हार के बाद अब यह सवाल तो बेमानी हो गया है कि 'एक व्यक्ति, एक पद' के नियम के बावजूद अरविंद केजरीवाल वर्षों तक दो-दो पदों पर कैसे बने रहे? लेकिन अब यह सवाल तो पूछा ही जाना चाहिए कि आखिर पिछले साढ़े 13 वर्षों से एक ही व्यक्ति (अरविंद केजरीवाल) पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक क्यों बने हुए हैं? क्या संजय सिंह, मनीष सिसोदिया या पार्टी के किसी भी अन्य नेता में पार्टी की कमान संभालने की क्षमता नहीं है ? नेताओं को पार्टी से निकालने का मामला हो या राज्यसभा उम्मीदवार तय करने का मामला हो, यह सब कुछ एक ही व्यक्ति की इच्छा पर कब तक छोड़ा जाएगा? आखिर पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी क्यों बनाई गई है और इसका काम क्या है? पहले दिल्ली में सत्ता सुख भोगों और जब यहां पर जनता सत्ता से बाहर कर दें तो पंजाब जाकर जम जाओ, ये किस तरह का रवैया है? चाहे वो केजरीवाल हो या मनीष सिसोदिया या फिर बिभव कुमार या फिर कोई अन्य नेता या कर्मचारी, दिल्ली की हार के बाद क्या ये लोग 3-4 साल भी दिल्ली में या देश के अन्य राज्यों में संघर्ष नहीं कर सकते जो ये लोग सत्ता वाले राज्य पंजाब को घर बनाने निकल पड़ते है? अगर इन सवालों के जवाब नहीं तलाशे गए तो यकीन मानिए कि आने वाले दिनों में आप का पूरा संगठन भी बीजेपी में विलय होता हुआ नजर आएगा।

अगर यह सब सिर्फ एक या दो व्यक्ति की जिद के कारण हो रहा है तो पार्टी के सभी नेताओं को मिलकर उन्हें किनारे लगाकर किसी और सक्षम नेता को जिम्मेदारी देनी चाहिए। पार्टी को अपने पुराने नेताओं की भी घर वापसी का अभियान बड़े पैमाने पर चलाना चाहिए और सबसे बड़ी बात आप के नेताओं को यह समझना चाहिए कि राज्यसभा की सांसदी का टिकट धन्नासेठों के लिए नहीं पार्टी के समर्पित कार्यकताओं के लिए होता है।

राजनीतिक हालात जिस तेजी से बदल रहे हैं, अगर उससे भी ज्यादा तेजी से आप ने बदलाव नहीं किए तो आने वाले दिनों में पार्टी के नाम और निशान दोनों पर ही बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है कि क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, बिभव कुमार, भगवंत मान और आतिशी इस बड़े बदलाव के लिए तैयार हैं?

एक नजर

केदारनाथ यात्रा में वाटर एटीएम से मिल रही राहत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा में बढ़ती भीड़ के बीच श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए वाटर एटीएम बड़ी राहत बन रहे हैं। यात्रा मार्ग पर स्थापित 12 वाटर एटीएम से सस्ते दाम पर शुद्ध पानी मिल रहा है। इन मशीनों से मात्र 4 सेकेंड में 1 लीटर पानी सिर्फ 1 रुपये में उपलब्ध हो रहा है। इनमें ठंडा और गर्म तरह का पानी मिल रहा है। यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों केदारनाथ मंदिर, आस्था पथ, बेस कैंप, छानी कैंप, बड़ी लिनचोली, छोटी लिनचोली, भीमबली, मीठापानी, जंगलचट्टी, गौरीकुंड और सोनप्रयाग में ये वाटर एटीएम लगाए गए हैं। जल संस्थान के सहायक अभियंता वीरेंद्र भंडारी ने बताया कि सभी मशीनें सुचारू रूप से चल रही हैं।

दिन में ही लगने लगी लाइन और रात तक बांटे गए सिलिंडर

पौड़ी। नगर क्षेत्र में पिछले 50 दिनों से जारी रसोई गैस का संकट कुछ हद तक दूर हो गया। श्रीनगर गैस एजेंसी की ओर से नगर में शनिवार को देर रात तक सिलिंडरों का वितरण किया गया। इससे उपभोक्ताओं को राहत मिली। गैस सिलिंडर की गाड़ी आने की सूचना पर सुबह 6 बजे से ही बाह बाजार के पास लोगों की लाइन लगनी शुरू हो गई थी। चिलचिलाती गरमी के बावजूद लोग घंटों लाइन में खड़े रहे और रात 11 बजे तक सिलिंडर बांटे गए। इस दौरान मोबाइल पर ओटीपी न आने के कारण भी लोगों को परेशानी झेलनी पड़ी। वहीं कई उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर बदरीनाथ में पंजीकृत होने के कारण उन्हें वहां फोन करके डीएसी नंबर मंगाना पड़ा। कुछ लोगों की केवाईसी अपडेट की गई। खाद्य निरीक्षक समीर चमोला ने बताया कि शनिवार को कुल 288 गैस सिलिंडर बांटे गए। अगले एक–दो दिनों में अन्य ग्रामीण इलाकों में भी सिलिंडर बांटे जाएंगे।

धारी देवी मंदिर में बंदरों का उत्पात

श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा की शुरुआत के साथ ही कलियासौड़ स्थित मां धारी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं का तांता लग रहा है। सुबह से ही दर्शन के लिए यात्री पहुंच रहे हैं लेकिन यहां बंदरों के उत्पात से श्रद्धालु परेशान हैं। मंदिर परिसर में बंदर श्रद्धालुओं के हाथ से प्रसाद और सामान छीन रहे हैं। मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पांडे ने बताया कि बंदरों की तादाद इतनी अधिक हो गई है कि वे लोगों पर हमला भी करने लगे हैं। मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष व्यक्ति की तैनाती भी की है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की।

यात्रा सीजन में रोडवेज की पार्किंग से निगम की हो रही खूब कमाई

श्रीनगर गढ़वाल। चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रीनगर में रोडवेज की पार्किंग अब मुनाफे का सौदा साबित होने लगी है। लगभग एक साल पहले शुरू हुई इस पार्किंग में अब वाहनों की कतारें लग रही हैं। खासकर यात्रा सीजन में यहां यात्री वाहनों (टेंपो ट्रैवलर्स आदि) की आवाजाही बढ़ने से निगम की रोजाना की कमाई में दोगुना इजाफा हुआ है। श्रीनगर रोडवेज के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि पार्किंग की क्षमता 100 से अधिक वाहनों की है। चार पहिया वाहनों के लिए 30 रुपये प्रतिदिन किराया तय है। वहीं दोपहिया वाहनों के लिए 10 रुपये शुल्क निर्धारित है। अब जो लोग बाजार के काम से आते हैं वे भी अपने वाहन यहीं खड़ा कर रहे हैं। पहले जहां पार्किंग से प्रतिदिन लगभग एक हजार रुपये की आय हो रही थी वहीं अब यह आंकड़ा दो हजार रुपये के पार पहुंच गया है। मासिक कमाई भी 20 हजार से बढ़कर करीब 40 हजार तक पहुंच गई है। इसके अलावा 10 से 12 वाहन ऐसे भी हैं जो 2,000 रुपये प्रतिमाह के हिसाब से यहां खड़े किए जाते हैं। पार्किंग में खड़े वाहनों की सुरक्षा को लेकर भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। निगम की ओर से यहां सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।

अभावों पर भारी पड़े हौसले, बेटियों का बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

नई टिहरी। संसाधनों की कमी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास कौशल की छात्राओं ने उत्तराखंड बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। छात्राओं की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि मजबूत इरादों के आगे कठिनाइयां भी छोटी पड़ जाती हैं। थौलधार ब्लॉक के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका छात्रावास कौशल में निवासरत कक्षा 10 की 25 छात्राओं में से 17 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई हैं, जबकि शेष छात्राएं द्वितीय श्रेणी से पास हुई हैं। वहीं, इंटरमीडिएट की 17 छात्राएं पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मैंडखाल में अध्ययनरत हैं, जिनमें से 11 ने प्रथम और छह ने द्वितीय श्रेणी में सफलता हासिल की है। छात्रावास का हाईस्कूल और इंटर दोनों का परीक्षा परिणाम शत–प्रतिशत रहा है। हाईस्कूल के बाद इन छात्राओं को इंटरमीडिएट की पढ़ाई के लिए प्रतिदिन छह किलोमीटर दूर मैंडखाल जाना पड़ता है। धूप हो या बारिश, छात्राएं रोजाना 6 किलोमीटर का सफर तय कर विद्यालय पहुंचती हैं और फिर 6 किमी वापस छात्रावास लौटती हैं। छात्रावास की वार्डन संध्या बागड़ी ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाली इन छात्राओं ने सीमित संसाधनों के बीच भी अनुशासन और लगन के साथ पढ़ाई की।

हेमकुंड साहिब मार्ग पर मानकों के अनुसार बनाएं व्यवस्थाएं

चमोली। हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खोल दिए जाएंगे। इसके लिए प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने रविवार को अधिकारियों व स्टेक होल्डर्स के साथ बैठक कर यात्रा के लिए एनजीटी के मानकों के अनुसार व्यवस्थाएं बनाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि यात्रा मार्ग पर पेयजल, सफाई और प्लास्टिक कचरे के निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था बनाएं। कूड़ा या प्लास्टिक जलाने पर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंनेईको डेवपमेंट कमेटी (ईडीसी) को निर्देश दिए कि सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए विस्तृत प्लान तैयार करें। उन्होंने घोड़े की लीद व प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन के निर्देश दिए। जिला पंचायत को यात्रा मार्ग पर जागरूकता वाले साइन बोर्ड लगाने, पशुपालन विभाग को घोड़े खच्चरों के लिए स्वास्थ्य कैंप, दवा व नियमित जांच की व्यवस्था करने, जल संस्थान को यात्रियों व पशुओं के लिए पर्याप्त गर्म पानी के लिए वाटर एटीएम लगाने, घांघरिया में घोड़े–खच्चरों के लिए शेल्टर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शौचालय, पार्किंग व पर्यावरण अनुकूल विकास कार्यों पर विशेष जोर दिया।

सालगिरह के दिन नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नई टिहरी। शादी की पहली सालगिरह के दिन सांकरी गांव में 22 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग को लेकर परिजनों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जमकर हंगामा किया। मृतका के पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति, ससुर, सास और छोटी सास के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है।शनिवार देर रात सांकरी गांव निवासी गौरव राणा अपनी पत्नी पूनम (22) की तबीयत बिगड़ने की बात कहकर अपने पिता कुंवर सिंह राणा के साथ उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिलखी लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने पूनम को मृत घोषित कर दिया। पीएचसी पिलखी की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऊषा भट्ट ने रात करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलने पर गोनगढ़ पट्टी के बनौली गांव निवासी मृतका के पिता शिव सिंह बिष्ट परिजनों के साथ अस्पताल पहुंचे। इसके बाद मायके पक्ष के लोगों ने पिलखी अस्पताल में हंगामा किया। रविवार सुबह बेलेश्वर अस्पताल में भी परिजनों ने प्रदर्शन किया। मृतका के पिता शिव सिंह बिष्ट ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि पूनम की शादी 25 अप्रैल 2025 को हुई थी। बीते 21 अप्रैल को वह अपने पति के साथ मायके आई थी। पति उसी दिन अपने घर लौट गया। 25 अप्रैल को पूनम अकेले ससुराल गई लेकिन उसी रात उन्हें फोन कर केवल उसकी तबीयत खराब होने की जानकारी दी गई जबकि उनकी बेटी की पहले ही मौत हो चुकी थी।मृतका के मामा धनपाल सिंह ने आरोप लगाया कि पूनम को दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जाता था और उसकी हत्या की गई है।

धराली आपदा का असर परीक्षा परिणाम पर भी दिखा

उत्तरकाशी। बीते अगस्त में आई आपदा का असर राजकीय इंटर कॉलेज हर्षिल के परीक्षा परिणाम पर भी देखने को मिला। वहां पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में कुल सात छात्र–छात्राओं ने परीक्षा दी। इसमें से तीन ही उत्तीर्ण हो पाए और बाकी चार छात्र–छात्राओं का परिणाम अच्छा नहीं रहा। दसवीं कक्षा में परीक्षा देने वाली दोनों छात्राएं और इंटरमीडिएट में एक छात्र आपदा प्रभावित धराली गांव के रहने वाले हैं। राजकीय इंटर कॉलेज हर्षिल के परीक्षा प्रभारी सुमित गुसाईं ने बताया कि इन तीनों छात्र–छात्राओं के घर आपदा के दौरान आए मलबे में दब गए थे। उसका सीधा असर इन बच्चों की पढ़ाई पर भी देखने को मिला। इस कारण वह परीक्षा के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं हो पाए। एक छात्रा की स्थिति यह थी कि वह उत्तरकाशी से करीब 80 किमी की दूरी तय कर अपनी परीक्षा देने आती थी। 10वीं की दोनों छात्राएं और 12वीं में दो छात्र–छात्राएं अनुतीर्ण हुए। तीन छात्र–छात्राएं ही उत्तीर्ण हो पाए। दूसरी ओर हर्षिल घाटी के राजकीय हाईस्कूल झाला में छह छात्र–छात्राओं ने दसवीं की परीक्षा दी थी। उसमें से दो छात्र गणित विषय में फेल हो गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमेश गहतोड़ी ने बताया कि स्कूल में नवंबर में ही गणित के शिक्षक मिल पाए थे। उससे पूर्व डेढ़ वर्ष तक गणित के शिक्षक की तैनाती नहीं हुई थी। उसके बाद शीतकाल का अवकाश होने के कारण बच्चों को पूरी तरह तैयारी करने का समय नहीं मिला।

छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए किया प्रेरित

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में डीएनए दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस मौके पर हुई प्रतियोगिताओं में छात्र–छात्राओं ने बढ़–चढ़कर प्रतिभाग किया।

इसके बाद स्व. हेमवती नंदन बहुगुणा की जयंती पर विवि के विकास में उनके योगदान पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्य अतिथि हिमालयन एक्वाटिक बायोडायवर्सिटी के विभागाध्यक्ष डॉ. जसपाल सिंह चौहान ने छात्रों को वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवन विज्ञान में एआई के बढ़ते महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि एआई का प्रयोग केवल एक मददगार टूल के रूप में करें। उस पर निर्भर होने से बचें। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैव प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. पूजा सकलानी ने कहा कि इस तरह की प्रतिस्पर्धी गतिविधियां छात्रों में बहुआयामी ज्ञान के विकास के लिए बेहद जरूरी हैं। डॉ. संजय कुमार सिंह पटेल ने डीएनए दिवस का महत्व और इसके विकास की जानकारी दी। डीएनए दिवस पर चार प्रतियोगिताएं हुईं। पोस्टर प्रतियोगिता में अनुराग भंडारी ने पहला, विभांशु और हिमांशु की टीम ने दूसरा तथा युक्ता और संजना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वीडियो प्रतियोगिता में अनुभव प्रथम, आस्था द्वितीय और शिवानी तृतीय रहीं। क्विज प्रतियोगिता में केश-ाव खंडूड़ी ने पहला, अंकित कुमार ने दूसरा और विनीत भट्ट व रजनंदिनी की टीम ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान हासिल किया। मॉडल प्रतियोगिता में आईबीटी 10वें और एमएससी 4 सेमेस्टर की टीम 5 प्रथम, आईबीटी 8वें सेमेस्टर की टीम 2 द्वितीय और बीएससी दूसरे सेमेस्टर की टीम 4 तृतीय स्थान पर रही।

जंगल में फंसे यात्री को पुलिस ने बचाया

चमोली। साइकिल से चारधाम यात्रा पर आया गुजरात का एक यात्री शनिवार रात को चोपता–मंडल मार्ग पर घने जंगल में फंस गया। उसने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके के लिए रवाना हुई और युवक को खोज निकाला। इसके बाद युवक को सकुशल मंडल पहुंचाया। पुलिस को शनिवार देर शाम 112 नंबर पर सूचना मिली कि एक श्रद्धालु चोपता–मंडल पर बीच में फंसा हुआ है। कोतवाली गोपेश्वर और चौकी मंडल की टीम तुरंत मौके लिए रवाना हुई। अंधेरे और विपरीत मौसम के बावजूद पुलिस ने यात्री को ढूंढ लिया। युवक ने अपना नाम राठौड़ पंकज भाई, निवासी सरदार भवन सोसायटी अमरेली गुजरात बताया। उसने बताया कि वह साइकिल से उत्तराखंड की यात्रा पर आया है। बारिश और आंधी के कारण साइकिल से आगे बढ़ना संभव नही था। वरिष्ठ उपनिरीक्षक सुमित खुगशाल ने बताया कि रात को युवक के रहने व खाने की व्यवस्था की गई ।

मुखौटा नृत्य कर 18 तालों में किया रामायण का वर्णन

चमोली। सलूड़ डुंगरा गांव में रविवार को विश्व सांस्कृतिक धरोहर रम्माण का आयोजन किया गया। इस दौरान संपूर्ण रामायण का वर्णन 18 तालों में किया गया। रम्माण के दौरान देवताओं के मुखौटा नृत्य ने सभी को रोमांचित कर दिया। वहीं जागर में रामायण के गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विश्व प्रसिद्ध रम्माण का आयोजन हर साल बैसाख माह में होता है। रविवार को सलूड़–डुंगरा गांव के भूमियाल देवता के मंदिर प्रांगण में रम्माण मेले का आयोजन हुआ। रम्माण में जागर शैली में राम कथा का वर्णन किया गया और राम, लक्ष्मण, सीता व हनुमान के पात्रों ने इसमें अभिनय किया।

संपूर्ण रामायण का वर्णन 18 तालों में किया गया। इसमें राम जन्म, सीता हरण, हनुमान मिलन, लंका दहन जैसी घटनाओं का वर्णन किया गया। रम्माण के बीच दर्शकों के मनोरंजन के लिए अलग–अलग मुखौटा नृत्य हुआ। इसमें म्वर–म्वारी, बणियां–बणियांण के बाद भूमियाल देवता का नृत्य हुआ। कुरुजोगी नृत्य के बाद स्वर्ण मृग वध सहित विभिन्न मुखौटा नृत्य हुए। अंत में सबसे रोमांचित करने वाला मल्ल नृत्य हुआ। मल्ल योद्धा प्रांगण में पहुंचे और ढोल दमाऊं की थाप पर ध्वनि की गर्जना के साथ प्रतीकात्मक युद्ध हुआ। अंत में भूमियाल देवता के अवतारी पुरुष ने भक्तों को खुशहाली का आशीर्वाद दिया। मेले में पहुंचे बदीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने रम्माण मेले के लिए तीन लाख और ब्लॉक प्रमुख अनूप नेगी ने ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की। रम्माण में जिलाधिकारी गौरव कुमार और एसपी सुरजीत सिंह पंवार भी पहुंचे थे। इस दौरान विश्व सांस्कृतिक धरोहर रम्माण के संयोजक डॉ. कुशल सिंह भंडारी, अध्यक्ष शरत सिंह बंगारी, सचिव विकेश कुंवर, भरत सिंह पंवार, रणवीर सिंह चौहान, दर्जाधारी हरक सिंह नेगी, नगर पालिका ज्योतिर्मठ अध्यक्ष देवेश्वरी शाह, भाजपा मंडल अध्यक्ष गुड्डू लाल आदि मौजूद रहे।

यमुनोत्री हाईवे पर मलबा, यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान प्रशासन श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगमता के दावे कर रहा है। लेकिन, जमीनी हकीकत इन दावों से अलग नजर आ रही है। यमुनोत्री धाम को जोड़ने वाले हाईवे पर निर्माण कार्य एजेंसियों की लापरवाही सामने आई है। हाईवे पर जगह–जगह निर्माण कार्य का मलबा और बड़े पत्थरों के ढेर लगे हैं। सड़क किनारे खड़ी भारी मशीनरी भी यातायात में बाधा बन रही है। इसके चलते मार्ग पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है। यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह अव्यवस्था कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सिलाई बैंड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में चेतावनी बोर्ड या स्पष्ट संकेतक नहीं हैं। हैरानी की बात है कि इसी मार्ग से जिम्मेदार अधिकारी गुजरते हैं। बावजूद इसके इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जनप्रतिनिधियों की चिंता और मांग:स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने इस लापरवाही पर गहरी चिंता व्यक्त की है। ब्लॉक प्रमुख सरोज पंवार और क्षेत्र पंचायत सदस्य अमिता पंवार ने प्रशासन से मांग की है। उन्होंने हाईवे को पूरी तरह से मलबा मुक्त और गड्ढे मुक्त करने को कहा है। तीर्थ पुरोहित मनमोहन उनियाल और सामाजिक कार्यकर्ता लोकेश चौहान ने भी सुरक्षा इंतजामों पर जोर दिया। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर आवश्यक साइनबोर्ड लगाने की बात कही है। प्रशासन का जवाबः एनएच के ईई मनोज रावत ने इस संबंध में अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि संबंधित निर्माण कार्य एजेंसी को निर्देश दिए गए हैं।

राजीव गांधी आवासीय नवोदय विद्यालय का भवन निर्माण लटका

उत्तरकाशी। राजीव गांधी आवासीय नवोदय विद्यालय के लिए स्वीकृत 38.08 करोड़ रुपये की दिवारीखोल महत्वाकांक्षी भवन परियोजना निर्माण अधर में लटक गया है। निर्माण कार्य तय समयसीमा के भीतर पूरा नही होकर अब तक मात्र 15 प्रतिशत ही पूरा हो सका है। इससे विद्यालय संचालन और आवासीय व्यवस्था प्रभावित हो रही है।वर्ष 2003 में कक्षा 6 से 12 तक के जरूरतमंद बालक–बालिकाओं के लिए चिन्यालीसौड़ में राजीव गांधी आवासीय विद्यालय की स्थापना की गई थी। यह 2009 से राजकीय इंटर कॉलेज चिन्यालीसौड़ के अतिरिक्त कमरों में संचालित हो रहा है। वर्ष 2024 में राज्य सरकार की ओर दिवारीखोल में 38.08 करोड़ रुपये की लागत से नए आवासीय एवं शिक्षण भवन के निर्माण को स्वीकृति दी गई थी।निर्माण कार्य 20 अगस्त 2024 को शुरू हुआ था ।

एकल टेंडर प्रणाली के विरोध में उतरे डुंडा के प्रधान

उत्तरकाशी। विकासखंड डुंडा में योजनाओं के संचालन के लिए सामग्री क्रय की प्रस्तावित टेंडर प्रक्रिया को लेकर ग्राम प्रधानों में भारी नाराजगी है। प्रधानों का आरोप है कि ब्लॉक स्तर पर एक ही वेंडर के माध्यम से सभी ग्राम पंचायतों को सामग्री आपूर्ति का प्रस्ताव न केवल अव्यवहारिक है बल्कि इससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न होगी।उन्होंने टेंडर प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की मांग रखी है। चेतावनी दी है कि यदि 30 अप्रैल तक सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो सभी प्रधान विरोध और आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। शनिवार को डुंडा विकासखंड के प्रधान संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद पडियार की अध्यक्षता में प्रधानों की बैठक आयोजित की गई। प्रधानों ने कहा कि विकासखंड की 103 ग्राम पंचायतों और 40 क्षेत्र पंचायत सदस्यों तक एक ही व्यक्ति के माध्यम से सामग्री पहुंचाना संभव नहीं है। दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में स्थित पंचायतों तक आपूर्ति में देरी, परिवहन लागत में वृद्धि और अन्य व्यवस्थागत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। साथ ही एकल वेंडर व्यवस्था से मनमानी और पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर पहले भी प्रधानों का प्रतिनिधिमंडल खंड विकास अधिकारी से मिलकर आपत्ति जता चुका है लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

सत्यापन अभियान में चार ठेकेदारों पर 20 हजार का चालान

अल्मोड़ा। लमगड़ा थाना क्षेत्र में रविवार तड़के पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत सघन सत्यापन अभियान चलाकर बिना सत्यापन मजदूर रखने वाले चार ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की। प्रत्येक पर पांच–पांच हजार रुपये का चालान करते हुए कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और पुलिस उपाधीक्षक अल्मोड़ा बलवंत सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष लमगड़ा प्रमोद पाठक के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना क्षेत्र सहित मोरनौला और जैंती चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीम ने व्यापक सत्यापन करते हुए करीब 45 बाहरी व्यक्तियों और मकान मालिकों की जांच की। इस दौरान चार ठेकेदार बिना पुलिस सत्यापन मजदूर रखते पाए गए, जिनके खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बिना सत्यापन बाहरी व्यक्तियों को रखना दंडनीय है।

प्रत्येक गर्भवती महिला को समय से मिलें स्वास्थ सुविधाएं

पिथौरागढ़। गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव को लेकर डीएम की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। कैंप कार्यालय में हुई बैठक में डीएम आशीष कुमार भटगांई ने कहा कि मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाना सवीच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

प्रत्येक गर्भवती महिला तक समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए, जिससे गर्भवती महिला को परेशानी का सामना न करना पडे। ग्रामीण स्तर तक एक मजबूत टीम का गठन करने के आदेश दिए और एएनएम को मॉनीटरिंग व प्रचार प्रसार की जिम्मेदारी देकर संस्थागत प्रसव को प्राथमिकता देने को कहा। डीएम ने महिला अस्पताल में लिफ्ट लगाने की जल्द व्यवस्था करने व बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित व नियमानुसार निस्तारण के भी निर्देश दिए।

जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

अल्मोड़ा। सिगरेट, पान मसाला समेत अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की संभावित जमाखोरी, कालाबाजारी और बढ़ती कीमतों के विरोध में रविवार को जिलाधिकारी के माध्यम से जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर प्रभावी कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बाजार में आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए और जमाखोरी पर रोक लगाकर आम उपभोक्ताओं को राहत दी जाए। आरोप लगाया गया कि कुछ व्यापारी उपभोक्ता वस्तुओं को कृत्रिम रूप से रोककर ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं, जिससे आम जनता, छोटे दुकानदारों और उपभोक्ताओं को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई कि थोक व्यापारियों के गोदामों, स्टॉक रजिस्टर, बिलिंग व्यवस्था और बाजार में की जा रही आपूर्ति की गहन जांच कराई जाए। साथ ही कृत्रिम अभाव उत्पन्न कर मुनाफाखोरी करने वालों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा पान मसाला और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की थोक और फुटकर दर सूची सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई गई, ताकि उपभोक्ताओं को वास्तविक कीमतों की जानकारी मिल सके और बाजार में पारदर्शिता बनी रहे।

488 ग्राम चरस के साथ तीन युवक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली अल्मोड़ा पुलिस और एसओजी टीम ने कार्रवाई करते हुए 488 ग्राम चरस के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर वाहन सीज कर दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देशन में चल रहे अभियान के तहत शुक्रवार को लोधिया बैरियर पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक कार को रोका। तलाशी लेने पर वाहन में सवार तीन युवकों के कब्जे से 488 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। इसके बाद तीनों को गिरफ्तार कर कोतवाली अल्मोड़ा में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20/60 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हिमांशु बोरा निवासी लालकुआं, जिला नैनीताल, सुमित सिंह दानू निवासी बिंदुखत्ता, जिला नैनीताल और साहिल टम्टा निवासी जिला बागेश्वर के रूप में हुई है। बरामद चरस की कीमत करीब 97 हजार 600 रुपये बताई जा रही है। इस कार्रवाई में वरिष्ठ उपनिरीक्षक रमेश बोरा, हेड कांस्टेबल शिवराज सिंह राणा, हेड कांस्टेबल जगपाल सिंह, कांस्टेबल इरशाद उल्ला और कांस्टेबल राकेश खेतवाल शामिल रहे।

एसएसबी ने 12वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

पिथौरागढ़। एसएसबी 55वी वाहिनी ने अपना 12वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से क्षेत्रक मुख्यालय अल्मोड़ा के उप महानिरीक्षक सुधांशु नौटियाल ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने 55वी वाहिनी के अधिकारियों, संदीक्षा परिवार व कार्मिकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। कहा कि 55वी वाहिनी ने अपने स्थापना काल से अभी तक प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। चाहे वह सीमाओं की सुरक्षा हो, विषम व चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कर्तव्यों का सफल निर्वहन या आपसी समन्वय हो। इस दौरान खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सौम्या हलदर,उप कमांडेंट त्रिभुवन प्रसाद सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दो मकान मालिकों पर 20 हजार का चालान

अल्मोड़ा। दन्या थाना क्षेत्र में रविवार को ऑपरेशन प्रहार अभियान के तहत पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर बिना पुलिस सत्यापन किरायेदार रखने वाले दो मकान मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की। दोनों पर 10–10 हजार रुपये का चालान करते हुए कुल 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन और पुलिस उपाधीक्षक अल्मोड़ा बलवंत सिंह रावत के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष दन्या दिनेश नाथ महंत के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान थाना क्षेत्र में व्यापक सत्यापन करते हुए करीब 45 बाहरी लोगों की जांच की गई। इस दौरान दो मकान मालिक बिना पुलिस सत्यापन किरायेदार रखते पाए गए, जिनके खिलाफ उत्तराखंड पुलिस अधिनियम के तहत चालान की कार्रवाई की गई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल सरकार ने कर्मचारियों को तीन महीने तक विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने आगामी तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को विदेश यात्रा पर न जाने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद् कार्यालय ने मंत्रालयों, आयोगों और सभी संबंधित निकायों को पत्र भेजकर इस व्यवस्था को लागू करने को कहा है। सरकार के गत 28 मार्च के निर्णय के अनुसार स्वीकृत प्रशासनिक सुधार से संबंधित 100 कार्यसूचियों को उच्च प्राथमिकता के साथ लागू किया जा रहा है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री कार्यालय ने यह निर्देश जारी किया है। निर्देश में कहा गया है कि कर्मचारियों के विदेश दौरे पर जाने से सरकार की 100 कार्यसूचियों के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न हो सकती है, इसलिए अगले तीन महीनों तक किसी भी कर्मचारी को वैदेशिक भ्रमण के लिए नामांकित न करने का अनुरोध किया गया है।

लुइसियाना मॉल गोलीबारी: पुलिस ने एक शख्स को किया गिरफ्तार, दूसरा फरार

लुइसियाना, एजेंसी। लुइसियाना के अधिकारियों ने एक 17 वर्षीय लड़के पर हत्या का आरोप लगाया है और वे एक अन्य संदिग्ध की तलाश कर रहे हैं। गुरुवार को बैटन रूज के एक मॉल में हुई गोलीबारी में राहगीर भी फंस गए थे, जिसमें एक किशोरी की मौत हो गई थी। शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान, लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने राजधानी शहर को त्रस्त करने वाली गिरोह हिंसा पर नकेल कसने का संकल्प लिया। अपराध के प्रति सख्त रुख रखने वाले राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने एफबीआई निदेशक काश पटेल से बात की है और उन्होंने इस मुद्दे से निपटने के लिए राज्य, स्थानीय और संघीय संसाधनों का उपयोग करने का वादा किया है और कहा है कि इसके परिणाम 'तुरंत महसूस होने लगेंगे।'

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मिले कोलंबियाई नेता

काराकास, एजेंसी। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने शुक्रवार को काराकास के मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन में कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का स्वागत किया। जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से गिरफ्तार किए जाने के बाद यह उनकी पहली मुलाकात थी। नेताओं से प्रवासन, रक्षा, सीमा सुरक्षा, औद्योगिक सहयोग और व्यापार सहित एक व्यापक द्विपक्षीय एजेंडा पर चर्चा करने की उम्मीद थी। पेट्रो और रोड्रिगेज की पिछले महीने अपनी साझा सीमा पर मुलाकात होने की उम्मीद थी, लेकिन उनकी संबंधित सरकारों ने अचानक 'अप्रत्याशित घटना' का हवाला देते हुए बैठक रद्द कर दी, जिसका उन्होंने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया और बस इतना कहा कि यह बाद में होगी। शुक्रवार की बैठक से पहले, पेट्रो ने घोषणा की कि उनका प्रतिनिधिमंडल, जिसमें शीर्ष सैन्य और पुलिस अधिकारी शामिल हैं, रोड्रिगेज के साथ सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा करेगा।

खाड़ी युद्ध के चलते पश्चिम एशिया से अब तक 30 हजार नेपाली नागरिक स्वदेश लौटे

काठमांडू, एजेंसी। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से पश्चिम एशिया से 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं ।युद्ध के बाद नेपाल सरकार ने नेपाली नागरिकों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया था। इस पोर्टल पर अब तक 87 हजार 819 लोगों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। नियमित पत्रकार सम्मेलन में शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सहसचिव रामजी खड़का ने बताया कि अब तक करीब 30 हजार नेपाली स्वदेश लौट चुके हैं। हालांकि, उनका कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि सभी लोग केवल युद्ध से प्रभावित होकर ही लौटे हैं। उन्होंने कहा कि केवल कतर से ही 21 से 22 हजार नेपाली वापस आए हैं। उन्होंने बताया कि शुरुआती चरण में 7 हजार से अधिक लोगों ने पोर्टल पर अपना नाम दर्ज कराया था, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य होने के साथ तत्काल उद्धार की मांग करने वालों की संख्या घट गई। युद्ध के बाद ईरान ने खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए थे। इन देशों में रह रहे 17 लाख से अधिक नेपाली नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ऑनलाइन पोर्टल संचालन में लाया था। युद्ध के बाद सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कतर सहित कुछ देशों के क्षेत्रों में नेपाली श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कुछ कंपनियों ने श्रमिकों को छुट्टी भी दी थी। विदेश मंत्रालय के आकलन के अनुसार फिलहाल होटल, रेस्टोरेंट और सेवा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। युद्ध के बाद पर्यटकों की आवाजाही रुकने से ये क्षेत्र प्रभावित हुए। हालांकि, इन क्षेत्रों में काम कर रहे नेपाली श्रमिकों ने अब तक किसी प्रकार की औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई है कि उन्हें काम नहीं मिल रहा है या वे गंभीर समस्या में हैं।

चीन की चुनौतियों के बीच अमेरिकी कमांडर ने कहा-

'इंडो-पैसिफिक रणनीति के लिए भारत अहम'

05

वाशिंगटन, एजेंसी।

भारत, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन का मुकाबला करने की अमेरिकी रणनीति में एक अहम स्तंभ के तौर पर उभर रहा है। अमेरिकी सेना के शीर्ष नेतृत्व ने भारत के साथ बढ़ते रक्षा संबंधों और तालमेल को खास तौर पर रेखांकित किया है। अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल जॉन पपारो ने इस हफ्ते सांसदों से कहा कि भारत के साथ संबंध उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने इस रिश्ते को लगातार ऊपर की ओर बढ़ता हुआ बताया और इसे अपनी सबसे सक्रिय सैन्य साझेदारियों में से एक कहा। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई, जब वाशिंगटन चीन की बढ़ती सैन्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन बनाए रखने के लिए क्षेत्रीय साझेदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पपारो ने कहा कि 'मेजर डिफेंस पार्टनरशिप' (प्रमुख रक्षा साझेदारी) ढांचे के तहत, अमेरिका-भारत सुरक्षा संबंधों में लगातार जटिल होते जा रहे सैन्य अभ्यासों, रक्षा सौदों और रणनीतिक बातचीत के जरिए जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है।

उन्होंने समुद्री सुरक्षा और पानी के नीचे की गतिविधियों की जानकारी जैसे क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग की ओर इशारा किया। इसमें विदेशी सैन्य बिक्री के जरिए भारत की ओर से एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने की योजना भी शामिल है। पपारो ने भारत को इस क्षेत्र में स्थिरता लाने वाली ताकत बताया। उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण एशिया के भीतर स्थिरता का एक स्रोत बना हुआ है। साथ ही, हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारियों और रक्षा सहयोग को भी मजबूत कर रहा है।

उन्होंने भारत की बढ़ती क्षेत्रीय भूमिका का भी जिक्र किया। इसमें श्रीलंका में किया गया निवेश और मॉरीशस के साथ किए गए समझौते शामिल हैं, जिनका मकसद समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि रणनीतिक बुनियादी ढांचा विरोधी ताकतों के प्रभाव से मुक्त रहे।

इंडो-पैसिफिक कमांडर ने 'क्वाड' जैसे बहुपक्षीय समूहों में भारत की भागीदारी को भी रेखांकित किया। इस समूह में भारत के साथ-साथ अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। यह समुद्री सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा, 'मालाबार जैसे सैन्य अभ्यास, जिनमें ये चारों देश शामिल होते हैं, इस क्षेत्र में आपसी तालमेल बनाने और संयुक्त सैन्य क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिहाज से बेहद अहम बन गए हैं।'

पपारो ने कहा कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिका की रणनीति का मूल आधार उसकी साझेदारियां हैं। उन्होंने इन गठबंधनों और साझेदारियों को वाशिंगटन का सबसे बड़ा असंतुलित लाभ बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को पाकिस्तान के साथ लगातार तनाव का सामना करना पड़ता है और हाल के सैन्य टकराव पारंपरिक रूप से विवादित क्षेत्रों से आगे तक फैल गए हैं। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि भारत का मुख्य ध्यान इस पूरे क्षेत्र में अपनी निवारक क्षमता और विश्वसनीय युद्धक क्षमता को बनाए रखने पर केंद्रित है।

हालांकि, इंडो-पैसिफिक कमांडर ने चेतावनी दी कि चीन की हरकतें और रूस व उत्तर कोरिया के साथ उसके गहरे होते संबंध, क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक जटिल चुनौती पेश करते हैं।

इंडो-पैसिफिक कमांडर के अलावा, अमेरिकी सांसदों ने भी बीजिंग के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए भारत के साथ साझेदारी को मजबूत करने के महत्व पर जोर दिया। प्रतिनिधि एडम स्मिथ ने कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिरोध और विश्वसनीयता के लिए गठबंधन बहुत जरूरी हैं। उन्होंने कहा, 'हमें उन संबंधों को बनाए रखने की जरूरत है। हमें उन लोगों को यह बताने की जरूरत है कि हम उनके साथ हैं और वे हम पर भरोसा कर सकते हैं।'

गौरतलब है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है, क्योंकि चीन अपने सैन्य आधुनिकीकरण की गति बढ़ा रहा है और पूरे क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का विस्तार कर रहा है।

ईरान की हरकतों की वजह से होर्मुज स्ट्रेट में खतरा बढ़ा : पीट हेगसेथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर अब भी बड़ा खतरा बना हुआ है, हालांकि सीमित स्तर पर आवाजाही जारी है। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ वॉर पीट हेगसेथ ने कहा कि इस अहम समुद्री रास्ते से जहाज अभी भी गुजर रहे हैं, लेकिन हालात पहले से ज्यादा खतरनाक हो गए हैं। उन्होंने पेंटागन में हुई एक ब्रीफिंग में कहा कि यातायात हो रहा है, लेकिन यह उतना नहीं है जितना लोग चाहते हैं और इसमें पहले से ज्यादा जोखिम है।

हेगसेथ ने कहा कि यह खतरा ईरान की गतिविधियों की वजह से बढ़ा है, जिसमें तेज रफ्तार वाली छोटी नावों का इस्तेमाल और व्यापारिक जहाजों को धमकाना शामिल है। ये सिर्फ कमर्शियल जहाज हैं इन्हें धमकाया जा रहा है। अमेरिका ने संभावित खतरों के खिलाफ सख्त जवाबी कार्रवाई की अनुमति दी है। खासकर अगर समुद्र में नौसैनिक बारूदी सुरंगें बिछाई जाती हैं। हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान पानी में माइन्स बिछाता है, तो हम बिना हिचकिचाहट उन्हें नष्ट कर देंगे।

अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने बताया कि इन खतरों पर नजर रखने और उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी भी माइन्स को हटाने में कितना समय लगेगा।

ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने कहा कि ईरान पहले भी इस क्षेत्र में व्यापारी जहाजों पर हमला कर चुका है। ईरान ने पांच व्यापारी जहाजों पर हमला किया है और उनमें से दो को जब्त भी किया है। पेंटागन ने बताया कि अमेरिकी नौसेना ईरान से जुड़े बंदरगाहों वाले जहाजों पर सख्त रोक बनाए हुए है, जबकि बाकी जहाजों को नियंत्रित हालात में गुजरने दिया जा रहा है। हेगसेथ ने कहा कि इस कार्रवाई से आगे और हमलों की कोशिशें रुक गई हैं। उन्होंने कहा कि? इससे एक साफ संदेश गया है कि यह कोई दिखावटी नाकाबंदी नहीं है।

नेपाल जा रहे यूएस दूत सर्जियो गोर,

पीएम बालेन से मुलाकात पर सस्पेंस !

काठमांडू, एजेंसी। अमेरिका की ओर से नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन शाह) से मुलाकात का अनुरोध किया गया है। यह अनुरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और दक्षिण तथा मध्य एशिया के लिए विशेष दूत सर्जियो गोर के नेपाल दौरे के संदर्भ में आया है। लेकिन नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह इस मुलाकात को लेकर अभी पक्का फैसला नहीं ले पाए हैं। कारण? पीएम शाह ने स्पष्ट रूप से एक नया बेंचमार्क तय कर दिया है। वे विदेशी देशों के केवल मंत्री स्तर या उससे ऊपर के अधिकारियों से ही व्यक्तिगत मुलाकात करेंगे। मार्च में शपथ लेने के बाद से पीएम बालेन शाह ने किसी भी विदेशी राजदूत या जूनियर अधिकारी से व्यक्तिगत मुलाकात नहीं की है, भले ही कई दूतावासों ने अनुरोध किया हो। उनका कहना है कि यह बेंचमार्क विदेश नीति को मजबूत और सम्मानजनक बनाने के लिए है।

नेपाल में प्रभाव जमाने की होड़ : नेपाल में नए राजनीतिक समीकरण बनने के बाद विदेशी ताकतों, विशेषकर अमेरिका और चीन के बीच अपना प्रभाव बढ़ाने की होड़ तेज हो गई है। इसी कड़ी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत सर्जियो गोर 30 अप्रैल को काठमांडू के चार दिवसीय दौरे पर जा रहे हैं।

सर्जियो गोर कौन हैं और उनका दौरा क्यों अहम है? : सर्जियो गोर को डोनाल्ड ट्रंप का बेहद करीबी माना जाता है। वह वर्तमान में भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यरत हैं। ट्रंप प्रशासन द्वारा जनवरी के मध्य में नेपाल से तत्कालीन अमेरिकी राजदूत डीन थॉम्पसन को वापस बुलाए जाने के बाद से, काठमांडू में कोई स्थायी अमेरिकी राजदूत नहीं है। ऐसे में गोर नई दिल्ली से ही नेपाल के मामलों की देखरेख कर रहे हैं।

ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए 'विशेष दूत' भी नियुक्त किया है। इस कारण उनका कूटनीतिक कद अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव (समीर पॉल कपूर) से भी बड़ा हो गया है। इससे पहले वह वाइट हाउस में राष्ट्रपति के सहायक और 'प्रेसिडेंशियल पर्सनेल' के निदेशक रह चुके हैं, जहां उन्होंने रिकॉर्ड समय में हजारों राजनीतिक नियुक्तियां की थीं।

अमेरिका और चीन के बीच आमने-सामने की कूटनीति : नेपाल के नए प्रशासन को लुभाने के लिए वाशिंगटन और बीजिंग दोनों सक्रिय हैं। इस दौरे के ठीक पहले कुछ अहम कूटनीतिक घटनाक्रम हुए हैं।

अमेरिका के सहायक सचिव का दौरा : हाल ही में (बुधवार को) दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी सहायक सचिव समीर पॉल कपूर ने अपनी तीन दिवसीय नेपाल यात्रा संपन्न की है। उन्होंने नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से मुलाकात की और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता दोहराई। कपूर को नेपाल सरकार की ओर से आश्वासन मिला है कि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करने के लिए पुराने कानूनों की समीक्षा की जाएगी।

बिना सबूत के आरोप लगाना बंद करे अमेरिका, चीनी प्रवक्ता ने ट्रंप के दावों को बताया अटकलबाजी

बीजिंग, एजेंसी। चीन और अमेरिका के बीच कूटनीतिक तनाव एक बार फिर गहरा गया है। शुक्रवार को बीजिंग में एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक रोके गए ईरानी जहाज में चीन की ओर से 'उपहार' होने की आशंका जताई थी।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि चीन बिना किसी तथ्यात्मक साक्ष्य के लगाए गए आरोपों और अटकलों को स्वीकार नहीं करेगा और देशों के बीच होने वाले सामान्य व्यापार को बाधित नहीं किया जाना चाहिए।

ट्रंप और निक्की हेली के दावे

दरअसल, यह विवाद तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अमेरिका ने एक संदिग्ध सामान वाले जहाज को रोका है और यह शायद चीन की ओर से भेजा गया कोई 'गिफ्ट' हो सकता है। ट्रंप ने इस पर

आश्चर्य जताते हुए कहा कि उनके और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अच्छे संबंध हैं और उन्हें लगा था कि दोनों देशों के बीच बेहतर समझ बनी हुई है।

इससे पहले, 21 अप्रैल को साउथ कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य में पकड़ा गया यह जहाज चीन से ईरान जा रहा था और इसमें मिसाइलों के लिए रासायनिक सामग्री हो सकती थी। उन्होंने इसे चीन द्वारा ईरान सरकार को दिए जा रहे समर्थन की याद दिलाने वाली घटना बताया।

हॉर्मुज स्ट्रेट की संवेदनशीलता

चीनी विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने हॉर्मुज स्ट्रेट की स्थिति को 'जटिल और संवेदनशील' बताते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा जहाज को जबरन रोकना चिंताजनक है। चीन ने सभी पक्षों से जिम्मेदारी दिखाने और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने से बचने की अपील की है।

वैश्विक तेल व्यापार पर संकट

हॉर्मुज़ स्ट्रेट फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला एक रणनीतिक मार्ग है, जो वैश्विक तेल व्यापार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल इसी मार्ग से गुजरता है, जिसके कारण पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच यहां के हालात पूरी दुनिया के लिए संवेदनशील बने हुए हैं।

यूएस प्रेसिडेंट ट्रम्प का गोल्ड कार्ड वीजा हुआ फ्लॉप: अब तक सिर्फ 1 व्यक्ति ने ही लिया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अब तक केवल एक व्यक्ति ने ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का बहुचर्चित 'गोल्ड कार्ड' वीजा हासिल किया है। गोल्ड कार्ड वीजा में कोई विदेशी 10 लाख डॉलर (9 करोड़ रुपए से ज्यादा) देकर अमेरिका में रहने और काम करने का अधिकार पा सकता है।

वाणिज्य मंत्री हावर्ड लुटनिक ने संसदीय समिति की सुनवाई में यह जानकारी दी। यह आंकड़ा उनकी पहले की उस घोषणा से काफी कम है, जिसमें उन्होंने कहा था कि योजना लॉन्च होने के कुछ ही दिनों में करीब 10,800 करोड़ रु. के 1300 आवेदन बेचे जा चुके हैं। लुटनिक ने सुनवाई के दौरान कहा कि फिलहाल सैकड़ों आवेदन प्रक्रिया में हैं।

ट्रम्प ने फरवरी, 2025 में 'गोल्ड कार्ड' वीजा प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया था। हालांकि उस वक्त उन्होंने इसकी कीमत 5 मिलियन डॉलर रखी थी। सितंबर में इसे घटाकर 1 मिलियन डॉलर कर दिया गया था। ट्रम्प का कहना था कि यह अमेरिका फर्स्ट एजेंडे का हिस्सा है, जो टॉप टैलेंट (जैसे भारत-चीन से पढ़े स्टूडेंट्स) को रोकने और कंपनियों को अमेरिका लाने के लिए है।

गोल्ड कार्ड की अनलिमिटेड रेसीडेंसी में नागरिकों को सिर्फ पासपोर्ट और वोट देने का अधिकार नहीं मिलता, बाकी सारी सुविधाएं एक अमेरिकी नागरिक के जैसी मिलती हैं। यह प्रक्रिया उसी तरह होगी, जैसे ग्रीन कार्ड के जरिए स्थायी निवास मिलता है।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा था कि यह वीजा प्रोग्राम खास तौर पर धनी विदेशियों के लिए है, ताकि वे 1 मिलियन डॉलर देकर अमेरिका में रहते हुए काम कर सकें। अब अमेरिका सिर्फ टैलेंटेड लोगों को ही वीजा देगा, न कि ऐसे लोगों को जो अमेरिकियों की नौकरियां छीन सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस रकम का इस्तेमाल टैक्स को घटाने और सरकारी कर्ज चुकाने में किया जाएगा।

लेबनान के साथ युद्धविराम के बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच हमले जारी, कई शहरों पर हुए हमले

लेबनान, एजेंसी। इस्राइल और लेबनान के बीच एक दिन पहले ही युद्धविराम तीन सप्ताह के लिए बढ़ाने की घोषणा हुई है। हालांकि इसके बावजूद इस्राइली सेना और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई जारी है। इस्राइली रक्षा बलों ने कहा है कि उन्होंने दक्षिणी लेबनानी शहरों याटर और काफरा में हिजबुल्ला के ठिकानों पर रॉकेट हमले किए। इस्राइल का आरोप है कि हिजबुल्ला के लड़ाके अभी भी इस्राइली सैनिकों और नागरिकों के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं।

लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली हवाई हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। वहीं हिजबुल्ला का कहना है कि उसने दक्षिणी लेबनान शहर राम्या में एक इस्राइली बख्तरबंद गाड़ी को निशाना बनाया। हिजबुल्ला ने आरोप लगाया कि इस्राइली सैनिकों ने दक्षिणी लेबनान में कुछ घरों को तबाह किया, जिसका बदला लेते हुए इस्राइली सेना को निशाना बनाया गया।

हिजबुल्ला 1992 से लेबनान की राजनीति का हिस्सा रहा है और संसद व सरकार में इसकी भागीदारी रही है। यह संगठन सामाजिक सेवाएं, स्वास्थ्य और शिक्षा

जैसी सुविधाएं भी प्रदान करता है, जिससे इसे जनसमर्थन मिलता है।

एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि इस्राइल और लेबनान तीन सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे तीन सप्ताह तक गोलीबारी न करने पर सहमत हो गए हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ऐसा ही होगा। बता दें कि ईरान के समर्थन में लेबनान स्थित हिजबुल्ला संगठन के लड़ाके इस्राइल पर हमले करते हैं। इसके जवाब में बीते दिनों इस्राइल ने भी लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर बम बरसाए। इस्राइल के इन हमलों में लेबनान में भी कई बेगुनाह लोगों की मौत हुई।

वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो को पकड़ने वाला सैनिक गिरफ्तार

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका की स्पेशल फोर्स से जुड़े एक सैनिक मास्टर सार्जेंट गैनन केन वैन डाइक को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उसने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने वाले ऑपरेशन पर सट्टा लगाया और इससे करीब 4.09 लाख डॉलर (करीब 4 करोड़ रुपए) कमा लिए।

डाइक अमेरिकी सेना के स्पेशल फोर्स (ग्रीन बैरे) का हिस्सा है। इसी यूनिट ने वेनेजुएला जाकर निकोलस मादुरो को पकड़ा था। ऐसे में डाइक को पहले से वेनेजुएला पर होने वाले सीक्रेट एक्शन की जानकारी थी। ॉ इसी जानकारी के आधार पर उसने दांव लगाया। उसके जीतने के बाद मिली रकम, भले ही गुमनाम थी, लेकिन तुरंत ही जांच एजेंसियों के शक में आ गई।

डाइक अमेरिकी सेना में मास्टर सार्जेंट के पद पर था। यह एक सीनियर पद होता है। ऐसे अधिकारी को रणनीतिक और तकनीकी मामलों का विशेषज्ञ माना जाता है और वह

यूनिट में अनुशासन और मानकों को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है।

जांच के मुताबिक, डाइक ने दिसंबर के आखिर में 'पॉलिमार्केट' नाम के प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाया। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां लोग भविष्य की घटनाओं पर दांव लगाते हैं। दिसंबर 2025 तक वेनेजुएला में घुसकर राष्ट्रपति मादुरो का तख्तापलट करने की घटना पर यकीन करने वाले लोग नहीं थे। डाइक ने इससे मिलते-जुलते नतीजों पर कुल 13 बार 32 हजार डॉलर का दांव लगाया, जैसे कि मादुरो कब तक सत्ता से हटेंगे या अमेरिका वेनेजुएला में कब तक सैन्य कार्रवाई करेगा।

यह एक जोखिम भरा दांव था, लेकिन ऑपरेशन की अंदरूनी जानकारी होने के कारण उसे भरोसा था कि यह सच साबित होगा। ऑपरेशन सफल होते ही उसका दांव सही साबित हुआ और उसे भारी मुनाफा हुआ।

छुपाने की कोशिश: क्रिप्टो के जरिए पैसे ट्रांसफर

रिपोर्ट्स के मुताबिक वैन डाइक ने अपनी पहचान छिपाने के लिए कई कदम उठाए। पहले उसने रकम को एक विदेशी क्रिप्टो वॉल्ट में भेजा, फिर अपने निजी क्रिप्टो अकाउंट में डाला और बाद में एक नए ब्रोकरेज अकाउंट में ट्रांसफर कर दिया। जब मादुरो को पकड़ने से जुड़ी संदिग्ध सट्टेबाजी की खबरें सामने आने लगीं, तो उसने अपना पॉलीमार्केट अकाउंट डिलीट करने की कोशिश की और झूठ बोला कि उसे अपने ईमेल का एक्सेस नहीं है। हालांकि तब तक जांच एजेंसियों की नजर उस पर पड़ गई थी। पॉलिमार्केट ने सोशल मीडिया पर कहा कि जब उन्हें पता चला कि कोई यूजर सीक्रेट सरकारी जानकारी के आधार पर ट्रेड कर रहा है, तो उन्होंने खुद यह मामला जस्टिस डिपार्टमें को सौंप दिया और जांच में सहयोग किया। कंपनी ने कहा कि इस तरह का अंदरूनी सट्टा उनकी नीति के खिलाफ है।

एक्टिंग नहीं छोड़ रहे हैं करण वाही

टीवी से वेब सीरीज का सफर तय करने वाले अभिनेता करण वाही 'रीमिक्स', 'दिल मिल गए', 'नेवर किस योर बेस्ट फ्रेंड' (सीजन 2) और 'चन्ना मेरेया' जैसे कई शो में अभिनय करने के बाद घर-घर में मशहूर हो गए। हाल ही में उन्होंने अपने आध्यात्मिक सफर और जीवन में कुछ देर बाद अपने विश्वासों तक पहुंचने के बारे में खुलकर बात की। सोशल मीडिया पर उनके ये बयान वायरल होने के बाद कई लोगों ने कयास लगाए कि करण अभिनय पूरी तरह छोड़ने वाले हैं। चर्चाओं के बढ़ने के बाद अब अभिनेता ने इसके पीछे की सच्चाई बताई है। करण वाही ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट का जवाब दिया, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उस पोस्ट में कहा गया था कि अभिनेता ने आध्यात्मिकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अभिनय से दूरी बनाने का फैसला किया है। इस पोस्ट को स्टोरी पर साझा करते हुए करण ने कैप्शन में लिखा, 'आध्यात्मिक होने का मतलब यह नहीं है कि मुझे अपना काम छोड़ना होगा। कृपया वायरल होने के लिए अफवाहें न फैलाएं। संबंधित व्यक्ति से अनुरोध है कि इस पोस्ट को हटा दें और झूठ न फैलाएं। धन्यवाद।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो करण वाही को हाल ही में सोनी लिव पर स्ट्रीम करने वाली रोमांटिक थ्रिलर सीरीज 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' (2024) में देखा गया था।

अफेयर की चर्चाओं के बीच धनुष की फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी मृणाल!

पिछले साल मृणाल ठाकुर और धनुष के रिश्ते को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही थीं। यहां तक कि दोनों की शादी तक की अफवाहें बी-टाउन की गलियों में फैली थीं। हालांकि, मृणाल ने कई बार इन्हें अफवाहें बताकर खारिज किया। अब एक बार फिर मृणाल और धनुष चर्चाओं में हैं, लेकिन इस बार वजह पर्सनल नहीं बल्कि प्रोफेशनल है। चर्चाएं हैं कि मृणाल ठाकुर धनुष के निर्देशन में बनने वाली फिल्म में प्रमुख भूमिका में नजर आ सकती हैं।

धनुष करेंगे फिल्म का निर्देशन

इंडिया टुडे में छपी एक खबर के मुताबिक, एक महिला प्रधान फिल्म पर काम चल रहा है और मृणाल ठाकुर को मुख्य भूमिका के लिए चुना जा रहा है। बताया जा रहा है कि इस प्रोजेक्ट में महिला मुख्य कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी और बातचीत अंतिम चरण में है। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ अन्य खबरों के अनुसार, धनुष इस फिल्म का निर्देशन कर सकते हैं, जो 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी। आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है। हालांकि, अभी तक मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

उड़ी थीं मृणाल और धनुष के अफेयर की खबरें

धनुष और मृणाल ठाकुर के बारे में अफवाहें पिछले साल अगस्त 2025 से फैलनी शुरू हुई थीं। जब दोनों को मृणाल की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के प्रीमियर पर एक साथ देखा गया। इससे पहले धनुष की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप पार्टी में भी मृणाल ठाकुर की मौजूदगी ने सबका ध्यान खींचा था। सोशल मीडिया पर धनुष के परिवार के सदस्यों को फॉलो करते हुए मृणाल के देखे जाने के बाद अटकलें और तेज हो गईं। बाद में मृणाल ठाकुर ने अपनी फिल्म 'दो दीवाने शहर में' के प्रमोशन के दौरान अपनी शादी की अफवाहों को खारिज किया था। उन्होंने इन चर्चाओं को सिर्फ अफवाह बताया था।

इस फिल्म में नजर आएंगे धनुष

वर्कफ्रंट की बात करें तो मृणाल हाल ही में आदिवी शेष के साथ फिल्म 'डकैत' में नजर आईं। इस एक्शन रोमांटिक ड्रामा को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसकी शुरुआत धीमी रही। वहीं धनुष अपनी अगली फिल्म 'कारा' की तैयारी में जुटे हैं, जो 1991 के खाड़ी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। यह फिल्म 30 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

जैकी भगनानी न रकुल प्रीत सिंह से शादी के कारणों आपसी बॉन्डिंग को लेकर बात की

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी बी-टाउन के क्यूट कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर साथ में कपल गोल देते रहते हैं। हाल ही में जैकी भगनानी ने अपने रिश्ते को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि शादी के बावजूद वह अपने रिश्ते को सिचुएशनशिप की तरह मानते हैं। साथ ही जैकी ने आपस की बॉन्डिंग को लेकर भी बात की। हाल ही में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह ने शादी के कारणों और अपने रिश्ते में आए बदलावों के बारे में बात की। जैकी ने बताया कि हमने एक-दूसरे से कहा कि अब हम 20-21 साल के नहीं हैं। हम दोनों ने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं व्यक्तिगत रूप से खुशमिजाज इंसान हूं। मैं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश नहीं कर रहा जो मेरे जीवन की कमी को पूरा कर सके, क्योंकि अगर मैं उदास रहूंगा, तो चाहे कोई भी मेरे जीवन में आए, मैं उदास ही रहूंगा। तुम भी व्यक्तिगत रूप से खुश हो। साथ में हम और भी खुश हैं। इस पर रकुल ने कहा कि वे एक-दूसरे के जीवन की कमी को पूरा कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि तुम मुझे छुट्टी पर नहीं ले गए, इसलिए मैं दुखी हूं। मैं अकेले भी छुट्टी पर जा सकती हूं। मुझे लगता है कि जीवन में बात करने के लिए और भी महत्वपूर्ण बातें हैं।

इस दौरान जैकी ने कहा कि रकुल और मैं शादीशुदा हैं, लेकिन हमारा रिश्ता एक तरह का सिचुएशनशिप है। इसका मतलब है कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं, क्योंकि शादी इसी वजह से हुई है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उससे हर बात खुलकर कह सकता हूं। अगर रकुल के आस-पास होने पर मेरी कोई एक्स गर्लफ्रेंड मुझे फोन करती है, तो मैं स्पीकरफोन पर बात करने में जरा भी संकोच नहीं करता। यह जताते हुए कि मैं अपनी पत्नी से कुछ भी नहीं छिपाता। मैं कुछ भी नहीं छिपाता, इसलिए मुझे घुटन महसूस नहीं होती।

घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं अकेलापन महसूस करने लगी थी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री मालविका मोहनन अक्सर अपनी फिल्मों और ग्लैमरस अंदाज को लेकर चर्चा में रहती हैं। लेकिन, चमकती दुनिया के पीछे कलाकारों की जिंदगी में कई बार ऐसा अकेलापन भी होता है, जिसके बारे में लोग कम ही जानते हैं। हाल ही में मालविका ने अपने दिल की बात फैंस के साथ साझा की और बताया कि एक समय ऐसा आया था, जब वह अंदर से काफी टूट गई थीं। उन्होंने बताया कि परिवार और अपनों से दूर रहने की वजह से वह खुद को बेहद अकेला महसूस करने लगी थीं। दरअसल, मालविका मोहनन ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ 'आस्क मी एनीथिंग' सेशन रखा था। इस दौरान फैंस ने उनसे कई निजी और प्रोफेशनल सवाल पूछे। इसी बीच एक फैन ने उनसे पूछा कि वह आखिरी बार कब रोई थीं? इस सवाल का जवाब देते हुए मालविका ने कहा, ''पिछले महीने मैं काम के सिलसिले में चेन्नई में थीं। वहां मुझे लंबे समय तक रुकना पड़ा था। मेरी टीम बहुत अच्छी थी और काम भी ठीक चल रहा था, लेकिन लंबे समय तक घर और परिवार से दूर रहने की वजह से मैं धीरे-धीरे अकेलापन महसूस करने लगी थीं।''

उन्होंने कहा, ''दिनभर शूटिंग और काम में व्यस्त रहने के बाद जब मैं रात में अपने होटल के कमरे में लौटती थीं, तो वहां मुझसे बात करने वाला कोई नहीं होता था। यही चीज मुझे अंदर से परेशान करने लगी। मैं मानसिक रूप से काफी उदास थी। लगातार अकेले रहने का असर मेरे मन पर पड़ने लगा था, जिसके वजह से मुझे रोना आता था।''

अपने निजी अनुभव साझा करने के साथ-साथ मालविका ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि वह इस समय अभिनेता विजय सेतुपति के साथ एक तमिल फिल्म में काम कर रही हैं। इस फिल्म का निर्देशन त्यागराजन कुमार राजा कर रहे हैं। मालविका ने निर्देशक की तारीफ करते हुए कहा कि वह सबसे बेहतरीन फिल्म निर्माताओं में से एक हैं। मालविका ने बताया कि इस फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' है और यह इसी साल रिलीज होने वाली है। उन्होंने कहा, ''इस प्रोजेक्ट को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं और उम्मीद करती हूं कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। इस फिल्म पर काम करना मेरे लिए खास अनुभव रहा है।''

अपना काम ईमानदारी से करना ही हीरोइज़्म है

थिएटर की दुनिया से मनोरंजन जगत में आए विजय वर्मा के लिए एक्टिंग की राह बिलकुल भी आसान नहीं थी। अपने हिस्से का संघर्ष तो उन्हें भी करना ही पड़ा। छोटी-छोटी भूमिकाओं के बाद जब उन्हें मेन रोल मिले, तो उन्होंने अपनी एक्टिंग और परफॉर्मेंस से खास जगह बना ली। 'दहाड़' का साइको किलर हो या 'गुस्ताख इश्क' का शायर आशिक, विजय अपनी भूमिकाओं को यादगार बनाते चले गए हैं। 'गली बॉय' के विजय आज मेकर्स की पसंद बन चुके हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं अपनी नई सीरीज 'मटका किंग' से। हाल ही में सोशल मीडिया पर विजय वर्मा की शादी को लेकर एक बार फिर चर्चा होने लगी है। हमने उनसे पूछा कि सलमान खान के बाद अब आपकी शादी की फिक्र कर रहे हैं लोग। आपकी मम्मी भी आपके पास आई हुई हैं, क्या शादी को लेकर पारिवारिक दबाव है? इस पर वह हंस देते हैं और कहते हैं, 'बिलकुल। मेरी मम्मी भी शादी को लेकर मेरे पीछे पड़ी रहती हैं, मगर अब वह बोल-बोल कर थक चुकी हैं। अब ज्यादा बोलती नहीं। जहां तक सलमान साहब की बात है, तो जब वह शादी कर लेंगे, तो मैं उसके बाद कर लूंगा।'

सीरीज हो या फिल्में आज नायक की परिभाषा बदल गई है। विजय वर्मा जैसे कलाकारों ने अपनी अभिनय अदायगी से अपने किरदारों के जरिए अपनी पहचान बनाई है। हीरोइज़्म को परिभाषित करते हुए वह कहते हैं, 'मेरे लिए हीरोइज़्म वो है, जो खुद के हित के लिए नहीं बल्कि बड़े हित के लिए काम करे। जैसे मेरे अलावा किसी और का भी भला हो। मैं मानता हूं कि अपना काम भी ईमानदारी से करना भी हीरोइज़्म है। जैसे मेसी जब फुटबॉल खेल रहा होता है, तो पूरी दुनिया उसके लिए गायब हो जाती है और उसका पूरा ध्यान अपने खेल में होता है। जिस नशे और पागलपन से वह अपनी बॉल को गोल तक ले जाता है, वह भी तो एक तरह का हीरोइज़्म है।'

कट्टरपंथी हवा से लोग दबा-कुचला महसूस करते हैं

विजय मानते हैं कि कट्टरपंथ के कारण लोग प्रभावित हो रहे हैं। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं लगता इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी है। मगर हां इन दिनों एक एंटी वोक (कट्टरपंथी) सेंटिमेंट खूब चल रहा है। इसके कारण लोग बहुत ही दबा-कुचला हुआ महसूस कर रहे हैं कि क्या बोलें, क्या करें और क्या न करें? क्या सोचें, क्या न सोचें? उसका एक प्रतिशोध मैं महसूस कर रहा हूं न सिर्फ इंडिया में बल्कि पूरी दुनिया में। दूसरे देश में एक ऐसे लीडर भी बैठे हैं, जो इसे रीप्रेजेंट भी करते हैं। मुझे लगता है, समाज में जो चल रहा है, उसी का रिफ्लेक्शन आपको फिल्मों मिलेगा।'

इंडस्ट्री में अनिश्चितता है टॉक्सिसिटी नहीं

हाल ही में एक अवॉर्ड शो में एक जाने -माने स्टैंड-अप कॉमेडियन ने अपने 'धुरंधर' जोक से इंडस्ट्री की भीतरी ईर्ष्या पर तंज किया। पिछले दिनों भी इंडस्ट्री में टॉक्सिसिटी को लेकर खूब बहस चली। अनुराग कश्यप जैसे निर्देशक तो मुंबई से शिफ्ट ही हो गए। इस मुद्दे पर विजय कहते हैं, 'मुझे लगता है अनसर्टेनिटी है, डर है कि क्या चलेगा क्या नहीं क्योंकि स्टेक्स बढ़ गए हैं। मुझे याद है एक समय में तीन-चार करोड़ में स्मॉल बजट फिल्म बन जाती थी। आज की तारीख में मैं जब प्रोड्यूसर से बात करता हूं, तो छोटे बजट की फिल्मों की बात 15-20 करोड़ तक जाती है। अब इसमें मार्केटिंग और पीएनए को जोड़ दिया जाए, तो फिल्म का बजट 30-35 करोड़ तक चला जाता है। आज फिल्म निर्माण का गणित अचानक से बदल गया है। उस हिसाब से कुछ कॉन्सेप्ट्स ऐसे हैं नहीं, जिन पर इतना खर्च किया जाए, पर करना पड़ रहा है। कुछ सब्जेक्ट्स ऐसे हैं, जिन पर काफी खर्च करना पड़ेगा, मगर उनकी रिकवरी की गारंटी नहीं है। इन मुद्दों के कारण अनिश्चितता बढ़ जाती है।'

आईपीएल में आज होगा दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंसर्स के बीच मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स की टीम सोमवार को यहां अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम में रॉयल चैलेंसर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला करेगी। इसमें दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पिछले मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ हारने के कारण दिल्ली कैपिटल्स पर दबाव रहेगा और वह इस मैच में हर हाल में जीत चाहेगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए प्लेऑफ में अपनी जगह मजबूत करने के लिए बेहद अहम रहेगा।।

दिल्ली की सबसे बड़ी कमजोरी गेंदबाजी है हो उसे ठीक करनी होगी। टीम के बल्लेबाज लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं पर गेंदबाज बड़े स्कोर का बचाव भी नहीं कर पा रहे रहे हैं। कप्तान अक्षर पटेल को अपने गेंदबाजों को और प्रेरित करना होगा। । कुलदीप यादव, मुकेश कुमार और टी नटराजन जैसे खिलाड़ियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और डेथ ओवरों में सटीक लाइन-लेंथ के साथ उतरना होगा ताकि टीम जीत की राह पर लौट सके।

वहीं बल्लेबाजी में दिल्ली का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है। केएल राहुल टीम को लगातार तेज शुरुआत दे रहे हैं, जिसमें पृथ्वी शॉ और पथुम निसांका भी आक्रामक अंदाज में रन बना रहे हैं। मध्यक्रम में नीतीश राणा और डेविड मिलर टीम को स्थिरता प्रदान करते हैं, जिससे टीम एक मजबूत स्कोर खड़ा करने में सक्षम होती है।

वहीं दूसरी ओर रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी इस सत्र की सबसे अच्छी टीमों में से एक के रूप में उभरी है। टीम के पास अनुभवी बल्लेबाज और प्रभावी गेंदबाज दोनों मौजूद हैं, जो उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाता है। उसके पस विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में जोश हेज़लवुड, भुवनेश्वर कुमार और सुयश शर्मा किसी भी बल्लेबाजी क्रम को रोकने में सक्षम है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं जिसमें आरसीबी ने 20 जबकि दिल्ली ने 13 जीते हैं। इस प्रकार आरबीबी का पलड़ा भारी है।

टीम इस प्रकार है

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, पृथ्वी साव, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विपराज निगम, अजय मंडल, नीतीश राणा, टी नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु : रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेज़लवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल, विहान मल्होत्रा।

केएल राहुल का ऐतिहासिक शतक: आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वैभव की बल्लेबाजी देखकर कमिंस भी हैरान हुए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे 15 साल के वैभाव सूर्यवंशी आईपीएल के हर मैच के साथ ही निखरते जा रहे हैं। वैभव ने यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 37 गेंद में 103 रनों की पारी खेली। ये वैभव का आईपीएल में इस सत्र का दूसरा शतक है। वैभव के इस शतक की सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने भी सराहना की है।

वैभव ने जस प्रकार से इस सत में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे तेज गेंदबालों को निशान बनाया। उसी प्रकार का व्यवहार उन्होंने कमिंस की गेंदों पर भी आक्रामक शॉट लगाये। वैभव ने कमिंस की पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। वैभव के इस अंदाज से कमिंस भी हैरान हुए बिना नहीं रहे। उन्होंने वैभव की इस प्रकार की बल्लेबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस वह अब उनके सबसे पसंदीदा खिलाड़ी बन गये हैं।

कमिंस ने कहा, 'एक गेंदबाज के तौर पर आपको लगातार अच्छी गेंदबाजी करनी होती है क्योंकि अगर आप विफल रहे तो बड़ा शॉट लगना तय है। अब वैभव मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी बना गया है। वह अपने ही अंदाज में खेलता है।' वैभव अपनी इस पारी के साथ ही सूर्यवंशी थोड़ी देर के लिए ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। वैभव के अब आठ मैच के बाद 357 रन हैं। वैभव ने सनराइजर्स के खिलाफ 36 गेंद में शतक लगाया। जो दूसरा सबसे तेज शतक है। इससे पहले उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंद में ही शतक लगाया था।

आईपीएल 2026: गुजरात ने सीएसके को 8 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में गुजरात टाइटन्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। यह मुकाबला रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और चेन्नई को 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन तक सीमित रखा। जवाब में गुजरात ने 16.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 162 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सेमसन ने पारी का आगाज किया, लेकिन संजू सैमसन सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल 4 रन बनाकर कागिसो रबाडा का शिकार बने, जबकि सरफराज खान खाता भी नहीं खोल सके। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। एक छोर पर ऋतुराज गायकवाड़ डटे रहे और उन्होंने शानदार नाबाद 74 रन बनाए, जिसकी बदौलत चेन्नई 158 रन तक पहुंच सकी।

159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटन्स की शुरुआत दमदार रही। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने तेज शुरुआत दी। पहला विकेट 7वें ओवर में गिरा जब शुभमन गिल 33 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद साई सुदर्शन ने मैच का रुख पूरी तरह गुजरात की ओर मोड़ दिया। उन्होंने सिर्फ 46 गेंदों में 87 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें चौकों और छक्कों की बरसात देखने को मिली।

साई ने जोस बटलर के साथ अहम साझेदारी निभाई। हालांकि 17वें ओवर में साई का विकेट गिर गया, लेकिन तब तक वह टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा चुके थे। बटलर ने भी उपयोगी 39 रन बनाए और गुजरात ने 20 गेंद शेष रहते मुकाबला 8 विकेट से जीत लिया।

वैभव टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

जयपुर । राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में शतक लगाने के साथ ही टी20 में सबसे तेजी से 1000 रन बनाने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। अब तक ये रिकार्ड मिचेल ओवन के नाम था। वैभव ने 473 गेंदों का सामना करते हुए अपने 1000 रन पूरे किये जबकि ओवन ने 533 गेंदों में 1000 रन बनाये थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से कहीं अधिक रहा है। सबसे अधिक तेजी से 1000 रन बनाने के मामले में तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एंड्रयू साइमंड्स हैं। उन्होंने 558 गेंदों पर 1000 रन बनाये थे। हैदराबाद के खिलाफ खेली गई अपनी ऐतिहासिक पारी में, वैभव ने केवल 36 गेंदों पर ही शतक पूरा किया। वैभव का टी20 करियर अब तक बेहद शानदार रहा है। घरेलू, अंतरराष्ट्रीय और आईपीएल सहित कुल 26 टी20 मुकाबलों में, उन्होंने 42.32 की प्रभावशाली औसत और 213.73 के स्ट्राइक रेट से अब तक कुल 1058 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम चार शतक दर्ज है। वहीं उनके नाम 94 छक्के भी हैं। साथ जल्द ही 100 छक्कों का आंकड़ा पार करने के करीब हैं। आईपीएल में भी उन्होंने अपनी छाप छोड़ी है, जहां 15 मैचों में 40.60 की औसत और 222.26 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से कुल 609 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

धोनी अपनी वापसी के लिए टीम में बदलाव नहीं चाहते

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (सीएसके) टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पूरी तरह से फिट होने के बाद भी अभी टीम संयोजन में बदलाव नहीं चाहते हैं इसलिए वह अभी टीम में वापसी नहीं करना चाहते हैं। शुरुआत में सीएसके प्रबंधन ने कहा था कि धोनी कुछ हफ्तों में वापसी करेंगे। उनकी पिंडली की चोट को लेकर दो हफ्ते का समय दिया गया था पर धोनी अब तक मैदान पर नहीं लौटे हैं। टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने धोनी की फिटनेस को लेकर कहा था कि धोनी के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी पिंडली की चोट है, खासकर रन लेते समय उन्हें परेशानी होती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार, धोनी पूरी तरह फिट हो गये हैं पर वह अपनी वापसी में देरी कर रहे हैं। धोनी ने टीम प्रबंधन को यह साफ कर दिया है कि केवल उन्हें टीम में शामिल करने के लिए संजोजन न बदला जाए। यह भी साफ है कि सीएसके प्रबंधन पने उन्हें मैदान पर उतारने की कोई जल्दी में नहीं है। मुख्य कोच कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, वह अच्छी प्रगति कर रहे हैं। वह उबर रहे हैं और जो भी उनसे कहा जा रहा है, वह सब कर रहे हैं। अभी टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर संजू सैमसन अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और धोनी भी किसी युवा खिलाड़ी की जगह लेने के लिए तैयार नहीं दिखते।

एक ही दिन में तीन-तीन बल्लेबाजों को मिली ऑरेंज कैप

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के 19 वें सत्र में हर मुकाबले के बाद ऑरेंज कैप के दावेदारों में बदलाव आता रहा है पर शनिवार को एक ही दिन में तीन-तीन दावेदार सामने आ गये। दिन की शुरुआत में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 328 रनों के साथ पहले ऑरेंज कैप की सूची में शीर्ष पर थे पर कुछ ही देर में उनकी जगह पर अन्य दावेदार आ गये। वहीं कोहली पांचवे स्थान पर खिसक गये। इस प्रकार एक ही दिन में कुल तीन अलग-अलग खिलाड़ियों ने ऑरेंज कैप पर अपने नाम की पर अंत में सनराइजर्स के अभिषेक शर्मा शीर्ष पर आ गये। दिन का पहला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच हुआ था। इस मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 152 रनों की नाबाद आक्रामक पारी खेलकर पहले नंबर पर पहुंच गये। इस शानदार पारी के बाद राहुल के नाम 7 पारियों में 59.50 की औसत और 187.89 के स्ट्राइक रेट के साथ कुल 357 रन हो गए।

राहुल अधिक देर तक टिके नहीं रह पाये। कुछ ही समय के बाद वैभव सूर्यवंशी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 103 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। कब्जा जमा लिया। उनकी इस पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल थे। इससे वैभव सूर्यवंशी कुल 357 रनों पर पहुंच गये और राहुल से बेहतर स्ट्राइक रेट होने के कारण नंबर एक पर पहुंच गये। इसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने अंत में ऑरेंज कैप की रेस में नंबर एक स्थान हासिल कर लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उन्होंने केवल 29 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्का लगाकर 57 रन बना दिये। इसी के साथ आईपीएल 2026 में उनके नाम सबसे अधिक 380 रन हो गए। वहीं इसी मैच में हेनरिक क्लासेन ने भी 29 रन बनाये और वह 349 रन पहुंचे जिसेस कोहली पांचवे नंबर पर खिसक गये।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली । स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, आज हुए टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था।

चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल सॉल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिससे उनके नेतृत्व कौशल और बल्लेबाजी क्षमता की फिर से पुष्टि हुई है। पंडित ने अय्यर के भारतीय टीम में चयन पर भी अपना बयान दिया। उन्होंने कहा, भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। टीम बनाते समय अनुभव और युवा खिलाड़ियों के बीच संतुलन बनाना होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर खिलाड़ी को मौका देना आसान नहीं होता, क्योंकि कई बार एक ही स्थान के लिए बराबरी के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। हालांकि, पंडित ने अय्यर की वापसी पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने कहा, उनकी मौजूदा फॉर्म और आत्मविश्वास दिखाता है कि वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वह खेल को जीतने के इरादे से खेलते हैं और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, बीडब्ल्यूएफ ने की घोषणा

हॉर्सेंस (डेनमार्क) (एजेंसी)। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, 'हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे।' BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।

मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालाँकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम

रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फ सर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

एनगिडी अब पहले से बेहतर, जल्द वापसी करेंगे : वेणुगोपाल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के खिलाफ (आईपीएल) में चोटिल हुए दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी अब ठीक हैं और उनके शीघ्र ही लीग में वापसी करने की संभावना है। एनगिडी को फील्डिंग करते समय सिर में गंभीर चोट लग गई थी। पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्य का कैच पकड़ने के प्रयास में पीछे गिर गए और उनका सिर जमीन से टकरा गया था, जिसके बाद उन्हें तत्काल एंबुलेंस से मैक्स अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के कारण खेल लगभग 15 मिनट तक रुका रहा। वहीं अब कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक वेणुगोपाल राव ने बताया है कि एनगिडी की चोट गंभीर नहीं है। उन्होंने कहा कि वह अभी भी अस्पताल में हैं हालांकि उम्मीद है कि वह वह जल्दी ही ठीक होकर लीग में वापस कर सकते हैं। राव ने खिलाड़ियों की सुरक्षा को सबसे महत्वपूर्ण बताया। वहीं कन्कशन सब्स्टीट्यूशन को लेकर वेणुगोपाल ने कहा है कि नियमों के अनुसार सिर्फ चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं, इसलिए दुश्मंथा चमीरा की जगह विप्रज निगम को लाया गया। पंजाब किंग्स के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल साथ ही कई खिलाड़ियों ने एनगिडी के जल्द ठीक होने की कामना करते कहा था कि सिर की चोट कई बार खतरनाक बन जाती है।